CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 127 ता. 13 नवम्बर 2021, शनिवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

लगातार तीसरे साल महिला अधिकारी करेगी परेड का नेतृत्व

हैदराबाद। भारतीय पुलिस सेवा के नए ट्रेनी अधिकारियों की दीक्षांत परेड का नेतृत्व लगातार तीसरे साल महिला अधिकारी करेगी। यह प्रशिक्षु आईपीएस पंजाब काडर की डॉ. दर्पण अहलूवालिया हैं जो पहले चरण के बेसिक कोर्स प्रशिक्षण की टॉपर बनी हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए) की दीक्षांत परेड शुक्रवार को होगी और महिला अधिकारी द्वारा परेड का नेतृत्व करने का यह अकादमी के इतिहास में छठा मौका है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोवाल आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। अकादमी निदेशक अतुल करवाल ने बताया कि यह आईपीएस अधिकारियों का 73वां बैच है। परेड में कुल 149 प्रोबेशनर अधिकारी शामिल होंगे। इनमें 132 आईपीएस ट्रेनी और 17 विदेशी ट्रेनी अधिकारी हैं। 2020 के इस बैच में कुल 27 महिला आईपीएस अधिकारी और चार विदेशी महिला अधिकारी हैं।

तीन महीने में लेंगे चार्ज....

पहले चरण के प्रशिक्षण और पासिंग आउट परेड के बाद यह अधिकारी अगले तीन महीने में देश के विभिन्न पुलिस स्टेशनों पर चार्ज लेंगे। इसके बाद सभी अकादमी लौटेंगे और दूसरे चरण का प्रशिक्षण पूरा करेंगे। अकादमी में हुए प्रशिक्षण में इन अधिकारियों को एके 47, स्नाइपर शूटिंग, रॉकेट लॉन्चर आदि चलाना भी सिखाया गया। इस बार 149 अधिकारियों में से 90त ने शार्प शूटर का दर्जा हासिल किया।

डॉक्टर-आईआईटियन चुन रहे पुलिस सेवा, परिवार भी प्रेरणा

परेड का नेतृत्व करने जा रहीं डॉ. दर्पण अहलूवालिया चिकित्सक भी हैं। उन्होंने पुलिस सेवा को अपने करियर में बदलाव के बजाए कर्तव्य को मिला विस्तार बताया। 27 साल की दर्पण के दादा नरेंद्र सिंह भी पंजाब पुलिस में रहे हैं।

आतंकी रियाज का खात्मा, फिदायीन हमले की रच रहा था साजिश, कुलगाम में मारा गया शिराज मौलवी

कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) विजय कुमार ने बताया कि श्रीनगर मुठभेड़ में मारा गया आतंकी लेथपोरा आतंकी हमले के एक आरोपी का रिश्तेदार था। वहीं कुलगाम मुठभेड़ में मारे गए आतंकी की पहचान शिराज मौलवी के रूप में हुई है।

जम्मू। श्रीनगर और कुलगाम में गुरुवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में मारे गए दोनों आतंकियों की पहचान हो गई है। कश्मीर जोन के आईजी विजय कुमार ने बताया कि श्रीनगर मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। पुलवामा हमले के एक आरोपी के रिश्तेदार आमिर रियाज को मार गिराया गया है। वह घाटी में फिदायीन हमले की साजिश रच रहा था। रियाज मुजाहिदीन गजवातुल हिंद का आतंकी था। वहीं कुलगाम में मारे गए आतंकी की पहचान हिजबुल मुजाहिदीन के जिला कमांडर शिराज मौलवी के रूप में हुई है। शिराज 2016 से घाटी में सक्रिय था। वह युवाओं को बरगलाकर आतंकी सगंठन में भर्ती करता था। साथ ही कई नागरिकों की हत्या में शामिल था। शिराज का मारा जाना सुरक्षाबलों के लिए बड़ी कामयाबी है।

घाटी में बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था

कश्मीर में टारगेट किलिंग की घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने आतंकियों की मोडस ऑपरेंडी को नाकाम बनाने के लिए घाटी में विशेषकर श्रीनगर में रणनीति में बदलाव किया है। 90 के दशक में जब आतंकवाद चरम पर था तो सर्च ऑपरेशन चलाए जाते थे। अब उसी तर्ज पर श्रीनगर में रैंडम सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि हाइब्रिड आतंकियों ने जबसे पिस्तौल से घटनाओं को अंजाम देना शुरू किया है, तब से सुरक्षा एजेंसियों को और ज़्यादा चौकस रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पहले वारदात में एक

47 जैसे हथियारों का इस्तेमाल किया जाता था, जोकि कैरी करना आसान नहीं होता था लेकिन पिस्तौल आसानी से कहीं भी ले जा सकते हैं, क्योंकि इसे छुपाना आसान है। इसलिए इस मोडस ऑपरेंडी को काउंटर करने के लिए रैंडम सर्च ऑपरेशन शुरू किए गए हैं।

इसी तर्ज पर गुरुवार को भी श्रीनगर के कई इलाकों को सुरक्षाबलों ने घेरे में ले लिया। इस दौरान राहगीरों को एक कतार में खड़ा कर उनके शिनाख्ती कार्ड चेक किए गए, गाड़ियों की तलाशी ली गई और यहां तक कि कुछ दुकानों को भी खंगाला गया। एक स्थानीय दुकानदार ने बताया कि जिस तरह से एक दम से चारों ओर फोर्स देखने को मिली। इससे लगता था जैसे आतंकियों की मूवमेंट का कोई इनपुट हो। इस दौरान जिन इलाकों में तलाशी अभियान चलाए गए, उनमें श्रीनगर के लाल चौक का घंटा घर, माईसुमा, बडशाह चौक, हरी सिंह हाई स्ट्रीट, जहांगीर चौक, सराए बाला, आदि इलाके शामिल थे।

इस महीने अभी तक दो स्थानीय नागरिकों को आतंकियों द्वारा मौत के घाट उतारा गया है। एक पुलिसकर्मी को गत सोमवार जबकि एक सेल्समैन को गत मंगलवार को आतंकियों ने निशाना बनाया। इसके अलावा अक्तूबर के महीने में कुल 13 स्थानीय नागरिक मारे गए जिसमें से 8 को श्रीनगर में मारा गया है। इनमें छत्ताबल के अब्दुल रहमान गुरु, एसडी कॉलोनी बटमालू के पीडीडी कर्मचारी मुहम्मद शफी डार, बिंदरू मेडिकेट के मालिक माखन लाल बिंदरू, भागलपुर बिहार का गोलगप्पे वाला वीरेंद्र पासवान, आलूचीबाग की प्रिंसिपल सुपिंदर कौर, जम्मू के दीपक चंद आदि शामिल हैं। पिछले एक महीने से अधिक समय के दौरान करीब 15 सिविलियन को मारा गया है, जोकि एक चिंता का विषय है। इसे ध्यान में रखते हुए आने वाले दिनों में श्रीनगर में कई अतिरिक्त सीआरपीएफ की कंपनियां भी तैनात की जाएंगी।

दिल्ली मेट्रो के विस्तार के लिए पेड़ों की कटाई के लिए वन विभाग से लेनी होगी मंजूरी- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह अपने द्वारा नियुक्त केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) की इस दलील को स्वीकार नहीं करेगा कि सभी पेड़ वन नहीं हैं। अदालत ने कहा कि दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन को मेट्रो विस्तार के चौथे चरण के लिए पेड़ों की कटाई की खातिर वन संरक्षण अधिनियम के तहत वन विभाग की मंजूरी लेनी होगी। जस्टिस एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वह विकास को नहीं रोक सकती। लेकिन विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन होना चाहिए। पीठ ने सालिसिटर जनरल से कहा, आपको मंजूरी लेनी होगी। हम भारत सरकार को मंजूरी देने के लिए समय देंगे।

अदालत ने कहा कि दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन को मेट्रो विस्तार के चौथे चरण के लिए पेड़ों की कटाई की खातिर वन संरक्षण अधिनियम के तहत वन विभाग की मंजूरी लेनी होगी। जस्टिस एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि वह विकास को नहीं रोक सकती।

हम सीईसी द्वारा किए गए इस अनुरोध को स्वीकार नहीं करने जा रहे हैं कि सभी पेड़ वन नहीं हैं। पीठ ने कहा, हम इसे स्वीकार नहीं करने जा रहे हैं। बस इस बिंदु के प्रभाव को स्वीकार किया जा रहा है। कौन यह पता लगाने जा रहा है कि पेड़ प्राकृतिक है या इसे लगाया गया है। यह अराजकता पैदा करने वाला है।

हाईकोर्ट ने रद्द किया निचली अदालत का आदेश, कहा- गिरफ्तारी से ज्यादा कड़ी है एहतियाती हिरासत

कोलकाता। प्रिवेंटिव डिटेंशन यानी एहतियाती हिरासत एक अपवाद व्यवस्था है जिससे व्यक्ति की निजी स्वतंत्रता का हनन होता है। यह सामान्य गिरफ्तारी से ज्यादा कड़ी है इसलिए इसका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। जब तक सभी कानूनी पहलू जरूरी न समझें, इसकी अनुमति नहीं देनी चाहिए। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में मालदा की विशेष अदालत द्वारा आरोपी के एहतियाती हिरासत का आदेश रद्द करते हुए टिप्पणियां कीं। जस्टिस रबींद्रनाथ सामंत और जस्टिस सौमन सेन ने एहतियाती हिरासत की शक्ति के दुरुपयोग पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की नजरबंदी या एहतियाती हिरासत का चलन सही नहीं है क्योंकि ऐसे

मामलों में आरोपी कई बार पहले से जमानत पर होते हैं और उसे फिर हिरासत में ले लेने से व्यक्ति को जमानत देने का न्यायिक आदेश सीमित होकर रह जाता है। हाईकोर्ट ने कहा कि नजरबंदी के दौरान आरोपी पर सख्ती बरती जाती है। इसका उपयोग केवल आरोपी के पर कतरने के नाम पर नहीं होना चाहिए। किसी व्यक्ति की मनमानी गिरफ्तारी न हो, यह उसका मौलिक अधिकार है। जब तक यह बेहद जरूरी न हो या सख्त वजह न हो, ऐसा नहीं किया जाना चाहिए। निवारक निरोध गिरफ्तारी के सामान्य उपायों की तुलना में अधिक है, इसलिए निवारक निरोध को मानक आपराधिक अभियोजन के प्रत्यक्ष विकल्प के रूप में गलत नहीं माना जा सकता है।

अंग्रेजी शासन सहने वालों ने भी यह प्रावधान रखा, अजीब बात है

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि संविधान में यह कानूनी प्रावधान बनाए रखा गया, यह बहुत अजीब बात है। उस समय के लोगों ने अंग्रेजी शासन में नजरबंदी और बिना सुनवाई या सजा दिए ही हिरासत में रखे जाने की पीड़ा भोगी थी। फिर भी वे ऐसे प्रावधान के समर्थन में रहे।

अचानक चट्टान गिरने से कन्नूर-बेंगलुरु एक्सप्रेस के 5 कोच हुए बेपटरी, सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक बड़ा रेल हादसा होने से बचा। बेंगलुरु डिविजन में टोप्पुरु-सिवाड़ी के बीच चट्टानों के अचानक से गिरने से कन्नूर-बेंगलुरु एक्सप्रेस के 5 कोच पटरी से उतर गए, जिसमें सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं। यह घटना सुबह 3.50 की है। बताया जा रहा है कि इस ट्रेन में 2348 यात्री सवार थे और इनमें से सभी सुरक्षित हैं। बताया जा रहा है कि कन्नूर से यह ट्रेन गुरुवार की शाम 6.05 मिनट पर खुली थी। साउथ वेस्टर्न रेलवे के चीफ पब्लिक रेलवे ऑफिसर ने बताया कि यह घटना चलती ट्रेन पर अचानक बोल्डर (चट्टान) गिरने के कारण हुई, जिससे बी1, बी2 (थर्ड एसी), एस6, एस7, एस8, एस9 और एस10 (स्लीपर कोच) पटरी से उतर गए। अधिकारियों ने कहा कि बेंगलुरु के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) श्याम सिंह वरिष्ठ अधिकारियों की मंडल टीम के साथ डॉक्टरों के साथ दुर्घटना राहत ट्रेन (एआरटी) और चिकित्सा उपकरण वैन के साथ सुबह 4.45 बजे मौके पर

पहुंचे। एआरटी के साथ इरोड जंक्शन की एक टीम भी मौके के लिए रवाना हुई। सीपीआरओ साउथ वेस्टर्न रेलवे के अनीष हेगड़े ने कहा कि सभी 2348 यात्री सुरक्षित हैं। किसी के हताहत होने या चोट की सूचना नहीं है। यात्रियों के साथ 6 डिब्बों और एसएलआर के अप्रभावित पिछले हिस्से को टोपपुरू और आगे सलेम की ओर ले जाया जाएगा। इसे टोपपुरू में रोका जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए 15 बसों का इंतजाम टोप्पुरु में किया गया है। पांच बसों को घटनास्थल पर भेजा गया है।

फेज-3 ट्रायल डेटा में देसी कोवैक्सीन का दिखा असली दम, The Lancet ने भी माना लोहा

नई दिल्ली। भारत की देसी वैक्सीन 'कोवैक्सीन' के लिए एक और खुशखबरी है। पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन से मंजूरी मिली और अब द लैंसेट ने भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को 'अत्यधिक प्रभावकारी' माना है। मेडिकल जर्नल द लैंसेट के एक नए अध्ययन में गुरुवार को कहा गया कि भारत बायोटेक द्वारा बनाई गई कोविड-1919 वैक्सीन 'अत्यधिक प्रभावकारी' है और यह पूरी तरह से सुरक्षित है। कोवैक्सीन के फेज तीन ट्रायल डेटा में किसी तरह की सुरक्षा के चिंता की बात नहीं कही गई है।

द लैंसेट ने कहा कि सिम्पटोमिक कोरोना मरीजों के खिलाफ भारत बायोटेक की कोवैक्सीन 77.8त असरदार पाई गई है। द लैंसेट ने एक बयान में कहा कि कोवैक्सीन की दोनों खुराक दिए जाने के दो

भारत बायोटेक द्वारा बनाई गई कोविड-1919 वैक्सीन 'अत्यधिक प्रभावकारी' है और यह पूरी तरह से सुरक्षित है। कोवैक्सीन के फेज तीन ट्रायल डेटा में किसी तरह की सुरक्षा के चिंता की बात नहीं कही गई है।

सप्ताह बाद यह टीका एक मजबूत एंटीबॉडी रिस्पॉन्स उत्पन्न करता है। मेडिकल जर्नल ने कहा कि भारत में नवंबर 2020 और मई 2021 के बीच 18-97 वर्ष की आयु के 24419 वॉलंटियर्स को शामिल करने वाले कोवैक्सीन के ट्रायल के दौरान वैक्सीन से संबंधित मौत या कोई भी गंभीर प्रतिकूल घटनाएं दर्ज नहीं की गईं।

द लैंसेट ने भारत बायोटेक की कोवैक्सीन के फेज तीन का डेटा जारी किया है। इसके मुताबिक, भारत की देसी वैक्सीन न सिर्फ कोविड-19 के खिलाफ सुरक्षित और असरदार है, बल्कि यह डेल्टा वेरिएंट के खिलाफ भी 65.2 फीसदी असरदार है। इतना ही नहीं, गंभीर सिम्टोमेटिक कोविड-19 के खिलाफ कोवैक्सीन 93.4 फीसदी असरदार है। बता दें कि कोवैक्सीन को भारत बायोटेक और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने मिलकरर डेवलप किया है।

बता दें कि हाल ही में कोवैक्सीन विश्व स्वास्थ्य संगठन की इमरजेंसी अप्रूवल लिस्ट में शामिल हुआ है और इसके इस्तेमाल को अब तक 17 देशों ने मंजूरी दे दी है। इस तरह से कोवैक्सीन, विश्व स्वास्थ्य द्वारा अनुमोदित सूची में फाइजर/बायोएनटेक, मॉडर्न, एस्ट्राजेनेका, जॉनसन एंड जॉनसन, सिनोफार्म और सिनोवैक द्वारा निर्मित एंटी-कोविड टीकों की लिस्ट में शामिल हो गया है।

तमिलनाडु में आफत की बारिश, 14 लोगों की मौत, बिजली भी ठप और भूख-प्यास से लोग बेहाल

तमिलनाडु में भारी बारिश के बाद अब बंगाल की खाड़ी में अत्यधिक दबाव बढ़ने से आंध्र प्रदेश के कई जिले भी बारिश से तर बतर हो गए हैं। आंध्र प्रदेश के तटीय जिले प्रकाशम, चित्तूर, कड़पा और एसपीएस नेल्लोर में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

चेन्नई/अमरावती। तमिलनाडु में तेज हवा के साथ बारिश ने कोहराम मचा दिया है। बृहस्पतिवार को हुई भारी बारिश में 14 लोगों की जान गई है। चेन्नई एयरपोर्ट पर विमानों का आवागमन प्रभावित हुआ है। सड़कों पर पानी भरने और पेड़ गिरने से यातायात भी ठप है। बारिश से 157 मवेशियों की मौत हुई है। 1146 झोपड़ियां और 237 घरों को नुकसान हुआ है। तमिलनाडु के राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव कुमार जयंत ने बताया कि राज्य के उत्तर पश्चिमी दिशा में 14 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवा के साथ बारिश के कारण जनजीवन के साथ आवागमन भी बाधित हुआ है। बारिश के कारण चेन्नई में 13 सब-वे पानी से लबालब हो

गए जबकि 160 से अधिक पेड़ गिरने से यातायात बंद रहा।

नुकसान के आकलन के लिए समिति गठित-मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बारिश के कारण हुए नुकसान के लिए छह सदस्यीय समिति गठित कर दी है। कॉपरेटिव मंत्री आई पेरियासामी के नेतृत्व में जांच होगी और पूरा विवरण मुख्यमंत्री को सौंपा जाएगा।

आंध्र के कई जिले भी बारिश से तरबतर-तमिलनाडु में भारी बारिश के बाद अब बंगाल की खाड़ी में अत्यधिक दबाव बढ़ने से आंध्र प्रदेश के कई जिले भी बारिश से तर बतर हो गए हैं। आंध्र प्रदेश के तटीय जिले प्रकाशम, चित्तूर, कड़पा और एसपीएस नेल्लोर में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। राज्य सरकार ने राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें तैनात की हैं। मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने सभी कलेक्टरों को राहत शिविर शुरू करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही खतरनाक क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने का निर्देश दिया है। सीएम ने कहा है कि राज्य के तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए बारिश मुश्किल खड़ी कर सकती है।

सार समाचार

ग्वालियर जिला प्रशासन का अनोखा आदेश , कहा - वैक्सीन सर्टिफिकेट दिखाओ और पेट्रोल भरवाओ

भोपाल। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में वैक्सीनेशन को लेकर लगातार पिछड़ रहा है। यही वजह है कि अब जिला प्रशासन से लेकर स्वास्थ्य विभाग तमाम ऐसे उपाय कर रहा है जिस शहर में शत-प्रतिशत टीकाकरण लगाया जा सके। इसको लेकर अब जिला प्रशासन सख्त हो गया है। जिला प्रशासन ने तय किया है कि ऐसे लोग जो बार-बार समझाए इसके बाद भी वैक्सीन का पहला या सेकंड डोज नहीं लगवा रहे हैं। उन्हें पेट्रोल पंप पर पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। आपको बता दें कि सीधे शब्दों में कहें तो वैक्सीनेशन का सर्टिफिकेट दिखाओ और पेट्रोल भारवाओ का नारा दिया है। ग्वालियर कलेक्टर के निर्देश के बाद मुख्य चिकित्सा एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनीष शर्मा ने अपनी टीम के लोगों को पेट्रोल पंप पर तैनात करने की शुरुआत कर दी है। जहां 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोग जिन्होंने वैक्सीन का पहला या दूसरा डोज़ नहीं लगवाया है। उनका सर्टिफिकेट चैक किया जाएगा। और तभी पेट्रोल-डीजल दिया जाएगा और जिसको नहीं लगा है उनको नजदीकी अस्पताल में टीकाकरण के लिए भेजा जाएगा। और उसके बाद ही पेट्रोल और डीजल दिया जाएगा।

कमला नेहरू अस्पताल में आग लगने की घटना को लेकर नागरिक उपभोक्ता मंच ने HC में दायर की याचिका

सोनीपत/गोंडा। हरियाणा के सोनीपत जिले में बुधवार को एक कुश्ती अकादमी में कुछ हमलावरों ने गोलीबारी कर विश्वविद्ये अकादमी का कोच-सह-मालिक है। पुलिस उसे पकड़ने व घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। सोनीपत के सहायक न खबरों को खारिज कर दिया जिसमें मृतक महिला को कांस्क पदक विजेता पहलवान बताया गया है। गुप्ता ने बताया कि वह विश्वविद्यालय स्तर की पहलवान थीं जो सुशील कुमार कुश्ती अकादमी में अभ्यास कर रही थीं।

सांसद प्रज्ञा ठाकुर की मांग, कहा- हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम वाजपेयी के नाम पर रखें

भोपाल। भोपाल लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखने की मांग की है। ठाकुर ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया, ''भोपाल में 15 नवंबर 2021 को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जनजातीय गौरव दिवस पर आना हमारे भोपाल के लिए शुभ संकेत हैं। मुझे विश्वास है कि मोदी जी हबीबगंज रेलवे स्टेशन का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वापपेयी जी के नाम पर रखने की घोषणा करेंगे।'' अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की जयंती पर यहां आयोजित विशाल आदिवासी सम्मेलन में भी शामिल होंगे।

भाजपा लोकतांत्रिक तरीके से एमवीए सरकार को सत्ता से बेदखल कर देगी: नड्डा

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बृहस्पतिवार को कहा कि पार्टी महाराष्ट्र में महा विकास आघाड़ी गठबंधन (शिवसेना-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-कांग्रेस) को लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता से बेदखल कर देगी। यहां एक कार्यक्रम में नड्डा ने भरोसा जताया कि अगले साल होने वाले मुंबई नगर निकाय चुनावों में ''भाजपा का झंडा चमकेगा''। उन्होंने कहा, ''भाजपा लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिये महाराष्ट्र में भ्रष्ट सरकार को सत्ता से बाहर कर देगी। हम पूरी सच्चाई और प्रतिबद्धता के साथ महाराष्ट्र में विपक्ष की भूमिका निभाएंगे।

कांग्रेस ने साधा 'आप' पर निशाना, कहा- जाति की राजनीति करना हताशा का संकेत है

पणजी। आम आदमी पार्टी (आप) के गोवा में मुख्यमंत्री पद के लिए भंडारी समुदाय के किसी सदस्य को खड़ा करने की घोषणा करने के कुछ घंटों बाद कांग्रेस की प्रदेश इकाई ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह कदम अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली पार्टी में हताशा को दिखाता है। कांग्रेस की गोवा इकाई के अध्यक्ष गिरीश चोडनकर ने कहा कि उनकी पार्टी कभी धर्म की राजनीति नहीं करेगी। उन्होंने आप की घोषणा के बारे में पूछे जाने पर पणजी में पत्रकारों से कहा, ''जब कोई पार्टी जाति या धर्म की राजनीति करती है तो हमें यह समझना चाहिए कि यह उनका आखिरी स्तर है।'' उन्होंने कहा, ''यह होता है, जब हताशा बहुत ज्यादा होती है और जब वे हारने वाले होते हैं...उस वक्त वे समुदाय और धर्म पर आधारित राजनीति पर उतर आते हैं।

जम्मू-कश्मीर में अलग-अलग मुठभेड़ों में दो आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में श्रीनगर और कुलगाम जिलों में बृहस्पतिवार को सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में दो आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यहां बेमिना इलाके के हमदानिया कॉलोनी इलाके में शाम को मुठभेड़ शुरू हो गयी। कश्मीर मंडल पुलिस ने अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल पर बताया कि मुठभेड़ में एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया है। कुछ गोला बारुद के साथ एक एके राइफल भी बरामद की गयी है जबकि तलाश अभियान अभी चल रहा है। बहरहाल, अधिकारियों ने बताया कि अंतिम रिपोर्ट मिलने तक मुठभेड़ चल रही थी। उन्होंने बताया, ''सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) शिविर और उपमंडलीय पुलिस अधिकारी के कार्यालय के समीप अभियान चल रहा है।''

कांग्रेस ने राफेल सौदे की जेपीसी से जांच कराए जाने की मांग की

मुंबई (एजेंसी)।

कांग्रेस ने फ्रांस के साथ किए गए राफेल विमान सौदे की व्यापक जांच तत्काल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराए जाने की बृहस्पतिवार को मांग की। ये टिप्पणियां तब आयी है जब फ्रांस के एक पोर्टल ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि राफेल निर्माता कंपनी दसॉल्ट की ओर से बिचौलियों को कम से कम 75 लाख यूरो की रिश्वत देने के लिए कथित फर्जी रसीदों का उपयोग किया गया।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के मंत्री राफेल मामले में खुद को कितना ही बेदाग साबित करने की कोशिश कर लें लेकिन उनका भ्रष्टाचार और नरेंद्र मोदी की इस घोटाले में सीधी संलिप्तता का अब पूरी दुनिया के सामने पर्दाफाश हो चुका है।''

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी सबसे पहले राफेल विमान ''घोटाले'' को जनता के सामने लाए थे और तब से कई नयी चीजें सामने आयी हैं। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस इस मामले की फौरन संयुक्त संसदीय समिति से व्यापक जांच कराने की मांग करती है।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि राफेल विमान को खरीदने का प्रस्ताव सबसे पहले मनमोहन सिंह सरकार ने किया था। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव के अनुसार, भारत को दसॉल्ट एविएशन से 126 विमान खरीदने थे जिनमें से 18 विमान सीधे खरीदे जाने थे और बाकी के 108 विमानों का निर्माण भारत में किया जाना था लेकिन फिर 2014 में भाजपा सरकार आयी और पूरी तस्वीर ही बदल गयी।

खेड़ा ने कहा कि 2015 में मोदी पेरिस गए और घोषणा की कि भारत बिना किसी निविदा के दसॉल्ट से 36 राफेल विमान खरीदेगा। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में भी तो एक राफेल विमान की अनुमानित कीमत 526 करोड़ रुपये थी लेकिन मोदी सरकार ने पहले विमानों की संख्या 126 से कम करके 36 कर दी और दूसरी, उन्होंने बिना किसी निविदा के इन्हें खरीदने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि तीसरा, मोदी सरकार ने एक विमान की कीमत 526 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1,670 करोड़ रुपये कर दी। उन्होंने कहा, ''चौथी बात यह है कि उन्होंने इस सौदे से तकनीक के हस्तांतरण की बात हटा दी और पांचवीं तथा सबसे गंभीर बात यह है कि उन्होंने इस समझौते से भ्रष्टाचार न होने का खंड भी हटा दिया। मोदी ने खुद हस्तक्षेप किया और इस खंड को हटाया। लेकिन अब हम जानने चाहते हैं कि क्यों मोदी ने इसे हटाया।''

खेड़ा ने कहा कि चार अक्टूबर 2018 को पूर्व भाजपा मंत्रियों यशवंत सिन्हा और अरुण शौरी ने सीबीआई निदेशक को राफेल सौदे में भ्रष्टाचार को लेकर शिकायत की। इसके बाद 11 अक्टूबर 2018 को मॉरिशस के अटॉर्नी जनरल ने सीबीआई को कुछ सूचना से जुड़ी फाइल सौंपी। उन्होंने कहा, ''इसमें सुशेन गुप्ता नामक एक बिचौलिए का नाम था। ऐसा आरोप है कि गुप्ता ने राफेल विमान खरीद मामले में कुछ भुगतान प्राप्त किया।'' उन्होंने कहा कि फिर 23 अक्टूबर 2018 को सीबीआई निदेशक आलोक वर्मा का रातोंरात तबादला कर दिया गया और उनकी जगह एम ए नागेश्वर राव को नियुक्त किया गया।

खेड़ा ने दावा किया कि गुप्ता को मामले में नामजद किया गया था और उनके घर पर ईडी ने 16 मार्च, 2019 को छापा मारा था और केंद्रीय एजेंसी को राफेल सौदे से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण गोपनीय दस्तावेज मिले थे। उन्होंने आरोप लगाया, ''मुख्य दस्तावेजों में से एक सुशेन गुप्ता द्वारा डसॉल्ट एविएशन को लिखा गया एक नोट था, जिसमें उन्होंने डसॉल्ट से वादा किया था कि वह राफेल विमान खरीद के लिए केंद्र में भाजपा सरकार से मिलने में उनकी मदद करेंगे।

एलएसी के अपनी ओर गांव बना रहा है चीन, कोई अतिक्रमण नहीं: सीडीएस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) बिपिन रावत ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीनियों के भारतीय क्षेत्र में आने और एक नया गांव बनाने के बारे में जारी विवाद ''सही नहीं'' है और संदर्भित गांव वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के उस पार पड़ोसी देश के क्षेत्र में है। रावत ने साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि चीन ने एलएसी की भारतीय 'अवधारणा' का उल्लंघन नहीं किया है। अमेरिकी रक्षा विभाग ने अपनी एक हालिया रिपोर्ट में कहा है कि एलएसी के पूर्वी सेक्टर में चीन ने तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और भारत के अरुणाचल प्रदेश के बीच विवादित क्षेत्र में एक बड़ा गांव निर्मित किया है। इससे पहले अमेरिकी रिपोर्ट पर एक आधिकारिक प्रतिक्रिया में, विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने अपनी जमीन पर न ही चीन के अवैध कब्जे को और न ही किसी अनुचित चीनी दावों को स्वीकार किया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बृहस्पतिवार को एक साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ''चीन ने पिछले कई वर्षों में सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ-साथ उन क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां की हैं, जिन पर उसने दशकों पहले अवैध रूप से कब्जा किया था।

भारत ने अपनी जमीन पर न तो इस तरह के अवैध कब्जे को और न ही चीन के अनुचित दावों को कभी स्वीकार किया है।'' हालांकि रावत ने टाइम्स नाउ समिट 2021 में कहा, ''जहां तक हमारा सवाल है, एलएसी की तरफ हमारी ओर ऐसा कोई गांव नहीं बना है।'' उन्होंने कहा, ''मौजूदा विवाद कि चीनी हमारे क्षेत्र में आ गए हैं और एक नया गांव बनाया है, सही नहीं है।'' सीडीएस ने कहा, ''हालांकि मैं जो कहना चाहता हूं वह यह है कि चीनी संभवतः एलएसी के साथ लगते क्षेत्र में अपने नागरिकों या अपनी सेना के लिए गांवों का निर्माण कर रहे हैं, खासकर हालिया संघर्ष के बाद।'' रावत ने यह भी कहा कि भारतीय और चीनी, दोनों सेनाओं की एलएसी पर अपनी-अपनी चौकियां हैं। उन्होंने कहा, ''जहां भी चीन ने अपनी चौकियां विकसित की है, हमने उस क्षेत्र में मौजूद कुछ पुरानी जर्जर झोपड़ियां देखी थी।'' उन्होंने कहा कि इसलिए, उनमें से कुछ झोपड़ियों को तोड़ दिया गया है और नए बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जा रहा है और आधुनिक झोपड़ियां भी बन रही हैं। उन्होंने कहा, ''हां, हो सकता है कि उनमें से कुछ गांवों का आकार बढ़ गया हो। मुझे लगता है कि शायद ये चीनी सैनिकों के लिए हैं और बाद में, वे कभी-कभी अपने परिवारों के आने पर उनकी सुविधा के लिए ये योजना बना रहे होंगे। ... हमारे नागरिक वहां जा रहे हैं, हमारे परिवार अग्रिम क्षेत्रों में जा रहे हैं, इसलिए वे यह सब देख रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि चीनी सैनिक अलग-थलग हैं। रावत ने कहा, ''वे (चीनी सैनिक) मुख्य भूमि से हजारों मील दूर रह रहे हैं। और वे हमारे लोगों को देखते हैं कि वे बहुत प्रसन्न मुद्रा में हैं। उन्हें बहुत जल्दी-जल्दी घर जाने को मिलता है।'' उन्होंने कहा कि एलएसी पर तैनात भारतीय सैनिकों को साल में तीन बार नहीं तो कम से कम दो बार घर जाने की छुट्टी मिलती है।

देश में अब तक 12 करोड़ से अधिक लोगों को नहीं लगी है कोरोना टीके की दूसरी खुराक!

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को कहा कि, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एक साथ जुट होकर काम करना चाहिए ताकि कोरोना महामारी से लड़ाई को अंतिम चरण में ले जाया जाए। एक खबर के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री ने यह निर्देश सभी राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों को हर घर दस्तक अभियान के तहत दिया है। देश में हर वयस्क को टीके की पहली खुराक मिले इसके लिए हर घर दस्तक अभियान की शुरूआत की गई है जिससे देश में कोई भी घर, कोई भी नागरिक टीकाकरण से वंचित न रह सके। मनसुख मंडाविया ने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ एक वर्चुअल वार्ता की थी जिसमें उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि, देश में 12 करोड़ से अधिक लोगों को अभी टीके की दूसरी खुराक भी नहीं मिली है। खिलाफ टीकाकरण सबसे ज्यादा प्रभावी होंगे और बिना किसी ढिलाई के इसे पूरी तरह से समाप्त करना है। बता दें कि, 79 फीसदी वयस्क आबादी को कोरोना रोधी टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है और 38 फीसदी ने दोनों खुराकें मिल गई है। उन्होंने आगे कहा कि सिंगापुर, ब्रिटेन, रूस, चीन जैसे देशों में 80 फीसदी से ज्यादा टीकाकरण के बावजूद मामले बढ़ रहे हैं। 'हर घर दस्तक' अभियान के साथ, केंद्र पहली खुराक और दूसरी खुराक के लिए कोविड़-19 टीकाकरण को पूरा करने का लक्ष्य बना रहा है। इसे 2 नवंबर को धनवंतरी दिवस के अवसर पर लॉन्च किया गया था। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक 110.23 करोड़ टीके की खुराक दी जा चुकी है।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल बोले- सीमा के प्रबंधन में पुलिस बलों की बड़ी भूमिका

हैदराबाद। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने शुक्रवार को कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के अलावा, पाकिस्तान, चीन, म्यांमा और बांग्लादेश जैसे देशों से लगती भारत की 15,000 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा के प्रबंधन में पुलिस बलों की बड़ी भूमिका है। सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में भारतीय पुलिस सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के 73वीं बैच की पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए डोभाल ने कहा कि भारत की संप्रभुता तटीय क्षेत्रों से लेकर सीमावर्ती क्षेत्रों तक अंतिम पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र तक जाती है। डोभाल ने कहा कि भारत के 32 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के हर हिस्से में कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी पुलिस बलों की है। उन्होंने कहा, ''सिर्फ वही पुलिसिंग ही नहीं जिसमें आप लोगों को अच्छी तरह से प्रशिक्षित किया गया है बल्कि इसका भी विस्तार होगा।

आप इस देश के सीमा प्रबंधन के लिए भी जिम्मेदार होंगे। पंद्रह हजार किलोमीटर की सीमा, जिसमें से ज्यादातर हिस्से की अपनी ही तरह की समस्याएं हैं।'' उन्होंने कहा कि देश में पुलिस बल की संख्या 21 लाख है और अभी तक 35,480 कर्मियों ने बलिदान दिया हैं। डोभाल ने कहा, ''हम भारतीय पुलिस सेवा

(आईपीएस) के उन 40 अधिकारियों को भी याद करना चाहेंगे जो शहीद हो गए।'' डोभाल ने कहा कि लोकतंत्र का मर्म मतपेटी में नहीं बल्कि कानूनों में निहित होता है जो निर्वाचन प्रक्रिया से चुने गए लोगों द्वारा बनाए जाते हैं। उन्होंने कहा, ''जहां कानून प्रवर्तक कमजोर, भ्रष्ट और पक्षपातपूर्ण हैं वहां लोग सुरक्षित महसूस नहीं कर सकते।'' डोभाल ने कहा कि पुलिस को अन्य संस्थानों के साथ मिलकर काम करना होगा जिसके लिए उन्हें देश की सेवा करने के लिहाज से मानसिक सोच की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''यदि आंतरिक सुरक्षा विफल होती है तो कोई देश महान नहीं बन सकता। अगर लोग सुरक्षित नहीं हैं तो वे बढ़ नहीं सकते और संभवतः देश भी कभी आगे नहीं बढ़ेगा।

सोनिया से मुलाकात के बाद बोले पायलट, चुनाव में 2 साल से कम का समय बचा, माकन उचित निर्णय करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राजस्थान कांग्रेस में मचे घमासान को समाप्त करने के लिए पार्टी अध्यक्षा सोनिया गांधी लगातार प्रदेश के नेताओं से मुलाकात कर रही हैं। कांग्रेस अध्यक्षा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की और फिर शुक्रवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री और कद्दावर नेता सचिन पायलट से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच में करीब 45 मिनट तक बातचीत हुई।

जल्द फेरबदल की संभावना

राजस्थान में जल्द ही गहलोत मंत्रिमंडल में फेरबदल और राजनीतिक नियुक्तियां होने वाली हैं। इसी बीच सोनिया गांधी के साथ हुई सचिन पायलट की मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। क्योंकि सोनिया गांधी ने राजस्थान के विवाद को सुलझाने के फॉर्मूला भी तैयार कर लिया है। इस मुलाकात के बाद सचिन पायलट ने मीडियाकर्मियों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में 2 साल से भी कम समय बचा है, हम इसके लिए संगठन को मजबूत करना चाहते हैं। 2023 में फिर से सरकार बनाना जरूरी है। पार्टी अनुभव, साख, क्षेत्रीय संतुलन, जाति संयोजन को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेगी।

अजय माकन लेंगे निर्णय

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि यह बहुत अच्छा है कि सोनिया गांधी जी लगातार प्रतिक्रिया मांग रही हैं कि क्या किया जाना चाहिए। हमें इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि राजस्थान में फिर से कैसे चुना जाए। सही समय पर एआईसीसी के महासचिव अजय माकन राजस्थान के संबंध में उचित निर्णय लेंगे। गौरतलब है कि कुछ वक्त पहले राजस्थान के मुद्दे पर संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी अजय माकन और मुख्यमंत्री गहलोत के बीच लंबी बातचीत हुई थी। इस दौरान फेरबदल की सभी संभावनाओं को तलाशा गया। अजय माकन के पास फेरबदल की सारी जानकारी है और जल्द ही फेरबदल हो सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोनिया गांधी ने सुलह का फॉर्मूला भी तलाश लिया है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पायलट और गहलोत खेमे की नाराजगी को दूर करना चाहती है। ऐसे में पायलट खेमे को 4 और गहलोत के सहयोगियों को 5 मंत्रिपद मिलने की संभावना है।

कश्मीर की सुरंगों में होंगी आधुनिक संचार सुविधाएं, जानिये सरकारी कंपनी रेलटेल कौन-सी तकनीक लाने जा रही है?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कश्मीर में इस समय विकास की कई परियोजनाएं चल रही हैं। यह परियोजनाएं सुविधाओं और तकनीक के लिहाज से आधुनिक भी हों इसका भी पूरा ख्याल रखा जा रहा है। कश्मीर घाटी में इस समय कई सुरंगों के निर्माण का काम जारी है ताकि भारी से भारी बर्फबारी के बीच भी कश्मीर घाटी का संपर्क पूरे देश के साथ बना रहे। इसी कड़ी में सरकार का प्रयास है कि इन सुरंगों में संचार की भी पूरी व्यवस्था रहे।

इसलिए सरकारी कंपनी रेलटेल ने ऐलान किया है कि वह उत्तर रेलवे के उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला खंड में रेल लिंक परियोजना के लिए अत्याधुनिक संचार प्रणाली मुहैया कराएगा जिससे सुरंगों के भीतर से बेस स्टेशन तक निर्बाध लिंक उपलब्ध होगा।

रेलवे की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, एकीकृत सुरंग संचार प्रणाली (यूएचएफ सिम्प्लेक्स) को भारतीय रेलवे की तकनीकी शाखा रेलटेल द्वारा 86.90 करोड़ रुपये की लागत से क्रियान्वित किया जाएगा। हम आपको बता दें कि उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला खंड का प्रबंधन कोंकण रेलवे द्वारा किया जा रहा है। इसमें 16 सुरंगें हैं। खराब सिग्नल कवरेज के कारण सुरंगों के अंदर संचार अक्सर बाधित होता है, जिससे ट्रेन संचालन और रखरखाव गतिविधियों में बाधा आ सकती है। बयान में कहा गया है, ''यह अत्याधुनिक एकीकृत सुरंग संचार प्रणाली सुरंग के अंदर हाथ से पकड़े जाने वाले रेडियो का सुरंग नियंत्रण कक्ष पर आधार स्टेशन और पास के स्टेशनों के स्टेशन मास्टरों के बीच निर्बाध रेडियो संचार प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है।''

बयान में कहा गया है, ''निर्माण या रखरखाव गतिविधियों और ट्रेन संचालन में शामिल कर्मचारियों को हाथ में पकड़े जाने वाले उपकरण प्रदान किए जाते हैं। सुरंग में सभी चैनलों का संचार स्वतंत्र, एक समय और विफलता मुक्त है। इस काम के पूरा होने से सुरंगों के अंदर ट्रेनों का सुरक्षित और सुचारू संचालन सुनिश्चित होगा जो निस्संदेह, भारतीय रेलवे के सबसे दुर्गम इलाकों में से एक है।'' रेलटेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक पुनीत चावला ने कहा कि संचार समग्र ट्रेन संचार प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और रेलटेल के पास ट्रेन संचालन के साथ-साथ सुरक्षा में सुधार के लिए इसे निष्पादित करने की विशेषज्ञता है।

कश्मीर से आतंक के खात्मे का अभियान जारी

दूसरी ओर, जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों का खात्मा जारी है। पिछले 24 घंटों में श्रीनगर और कुलगाम जिलों में सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में दो आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि बेमिना इलाके के हमदानिया कॉलोनी इलाके में गुरुवार शाम को मुठभेड़ शुरू हो गयी। कश्मीर मंडल पुलिस ने अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल पर बताया कि मुठभेड़ में एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया है। कुछ गोला बारुद के साथ एक एके राइफल भी बरामद की गयी है जबकि तलाश अभियान अभी चल रहा है। इसके अलावा दक्षिण कश्मीर में कुलगाम के चावलगाम इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिलने पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने वहां घेराबंदी की तथा तलाश अभियान शुरू किया। जब सुरक्षा बल इलाके में तलाशी ले रहे थे, तब आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी की। सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। इस दौरान एक आतंकवादी मारा गया।

कश्मीर में अशांति फैलाने वालों पर बरसी भाजपा

उधर, कश्मीर में हाल में नागरिकों की टार्गेट किलिंग पर भाजपा ने कहा है कि यह कश्मीर में शांति और विकास को बाधित करने का प्रयास है। कश्मीर के भाजपा नेताओं ने प्रभासाक्षी से खास बातचीत में कहा कि आतंकवादियों को बख्शा नहीं जायेगा और केंद्र सरकार तथा राज्य का प्रशासन केंद्र शासित प्रदेश में अमन चैन और शांति स्थापित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। श्रीनगर जिला भाजपा अध्यक्ष अशोक भट ने कहा कि केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का लाभ अब जम्मू-कश्मीर के लोगों को मिल रहा है।

सार समाचार

शादीशुदा महिला ने गैर मर्द से बनाए संबंध, शरिया कानून के तहत मारे 17 कोड़े; लोगों ने घटना को किया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। एक शादीशुदा महिला ने गैर मर्द के साथ अवैध संबंध बनाया जिसके बाद महिला पर शरिया कानून के तहत 17 कोड़े मारे गए है। बता दें कि यह घटना इंडोनेशिया के Aceh प्रोविन्स की है जहा महिला को भारी संख्या में मौजुद लोगों के सामने कोड़े बरसाए गए। बिना रुके कोड़े मारने के बाद महिला वहीं पर बेहोश हो गई। दर्द से तड़पती महिला को सजा पूरी होने तक कोड़े मारे गए मेल ऑनलाइन की खबर के मुताबिक, शरिया कानून के तहत दोनों प्रेमी जोड़े को 17 कोड़े मारने की सजा दी गई। जब कोड़े लग रहे थे तब इंडोनेशिया की कुछ पुलिस अधिकारी भी मौजुद थे। जब महिला को कोड़े बरसाए जा रहे थे तो भारी संख्या में लोग पने मोबाइल फोन में घटना का वीडियो बना रहे थे।

इंडोनेशिया के केवल इस जगह पर लागू है शरिया कानून

जानकारी के लिए बता दें कि, इंडोनेशिया के Aceh प्रोविन्स में ही केवल शरिया कानून लागू हौ और यहां कुरान के तहत कानून का पालन किया जाता है। सजा से पहले महिला को एक सफेद ड्रेस की इस्लामिक ड्रेस पहनाई और जमीन पर बैठने का आदेश दिया गया फिर दूसरी महिला ने उस पर एक के बाद एक 17 कोड़े मारे।

कोरोना के नए मामलों से परेशान हुआ चीन, मॉल और रिहायशी इलाके किए बंद

नई दिल्ली। चीन की राजधानी बीजिंग में कोरोना की दस्तक एक बार फिर से होने लगी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार राजधानी बीजिंग के कई जिलों में कोरोना फिर से पैर पसारने लगा है। आलम ये है कि स्थानीय प्रशासन द्वारा वहां की मॉल को सील किया गया और कई आवासीय परिसरों को भी बंद किया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार बीजिंग के केंद्रीय जिलों चाओयांग और हैडियन में 11 नवंबर को कोरोना के छह नए मामले पाए गए। रिपोर्टों के अनुसार, छह मामले उत्तरपूर्वी जिलिन प्रांत में हाल ही में संक्रमित लोगों के निकट संपर्क के थे। बीजिंग युथ डेली की रिपोर्ट के अनुसार कोविड-19 से संक्रमित के करीबी संपर्क वाले व्यक्ति के मॉल में प्रवेश के बाद राजधानी के डोंगचेंग में रैफल्स सिटी मॉल को 10 नवंबर शाम को बंद कर दिया गया था। मॉल से बाहर कर्मचारियों और ग्राहकों को तब तक बाहर जाने नहीं दिया गया जब तक कि उनका टेस्ट नहीं कर लिया गया।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर साझा किए गए वीडियो में शॉपिंग सेंटर के अंदर परीक्षण के लिए लाइन में खड़े दुकानदारों की भीड़ दिखाई दे रही है।

एच-1बी वीजा धारकों के जीवनसाथियों के लिए खुशखबरी! यूएस काम करने के अधिकार संबंधी देगा मंजूरी

वाशिंगटन। बाइडेन प्रशासन ने एक और आव्रजन अनुकूल कदम उठाया है और एच-1बी वीजा धारकों के जीवनसाथियों को काम करने के अधिकार संबंधी मंजूरी स्वत- मिलने पर सहमति जताई है। इस कदम का लाभ हजारों भारतीय-अमेरिकी महिलाओं को मिलेगा। एच-1बी वीजा धारकों में बड़ी संख्या भारतीय आईटी पेशेवरों की है। एच-4 वीजा, अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवाओं द्वारा एच-1बी वीजा धारकों के निकटतम परिजनों (जीवनसाथी और 21 साल से कम उम्र के बच्चे) को जारी किया जाता है। यह वीजा सामान्य तौर पर उन लोगों को जारी किया जाता है जो अमेरिका में रोजगार आधारित वैधानिक स्थायी निवासी दर्जे की प्रक्रिया पहले ही आरंभ कर चुके हैं। एच-1बी वीजा गैर-आव्रजन वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों को रोजगार देने की इजाजत देता है। इनके बूते प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर वर्ष हजारों लोगों को नौकरी पर रखती हैं। आव्रजकों के जीवनसाथियों की ओर से कुछ महीने पहले 'अमेरिकन इमीग्रेशन लॉयर्स एसोसिएशन' ने मुकदमा दायर किया था जिसके बाद गृहसुरक्षा विभाग इस समझौते पर पहुंचा।

अमेरिका में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मनाया छठ पर्व, बिहार फाउंडेशन ने शेयर की तस्वीरें

वाशिंगटन। अमेरिका में बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकियों ने नदी के तटों, तलाबों और अस्थायी जलाशयों पर एकत्रित होकर छठ पूजा की। कोविड-19 के कारण पिछले साल छठ पूजा के लिए कम संख्या में लोग एकत्रित हुए थे, लेकिन इस साल बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने यह त्योहार मनाया। इसके लिए कई लोगों ने कई मील का सफर भी तय किया। वाशिंगटन के वर्जीनिया उपनगर में, 400 से अधिक भारतीय-अमेरिकी लोगों ने बुधवार शाम और बृहस्पतिवार सुबह पोटोमैक नदी के तट पर सूर्यास्त तथा सूर्योदय के समय सूर्य की पूजा की।

छठ का त्योहार मुख्य तौर पर भारत के बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश राज्यों में मनाया जाता है। इस दौरान लोग व्रत रखते हैं, नदी में स्नान करते हैं और सूर्य भगवान की पूजा करते हैं। ग्रेटर वाशिंगटन क्षेत्र के भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेता कृपा सिंह ने कहा, '' हम उम्मीद कर रहे हैं कि अगले साल तक यह त्योहार हमेशा की तरह पूरे जोर-शोर से मनाया जाएगा और 800 के करीब लोग इसमें हिस्सा लेंगे।'' 'खरना' से सुबह के 'अर्घ्य' तक की पूरी पूजा को जूम और फेसबुक पर उन लोगों के लिए 'लाइव स्ट्रीम' किया गया, जो वैश्विक महामारी के कारण यहां नहीं आ सके। 'बिहार झारखंड एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका' (बीजेएएन) ने न्यू जर्सी के थॉम्पसन पार्क में लगातार पांचवी बार छठ पूजा समारोह का आयोजन किया। एरिजोना, अर्कांसस, पेनसिल्वेनिया, फ्लोरिडा, टेक्सास के अलावा, इस वर्ष कनेक्टिकट में भी इसे मनाया गया और बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकियों वहां पहुंचे। अधिकांश समारोह स्थल पर समुदाय के सदस्यों ने खाना और प्रसाद भी स्वयं ही बनाया।

एक हफ्ते बाद चली जाएगी पाक पीएम की कुर्सी? इमरान पर संसद को 'नो कॉन्फिडेंस', सेना प्रमुख से लेकर चीफ जस्टिस तक नाराज

बीजिंग। (एजेंसी)। पाकिस्तान में इमरान खान की हालात ऐसी है कि एक तरफ कुआं है तो एक तरफ खाई है। एक तरफ जहां पाकिस्तान में इमरान खान के गिरने की आशंका जताई जा रही है। वहीं सुप्रीम कोर्ट से लेकर सेना तक से इमरान को झटका लगा है। जिसके बाद वो हिले हुए और डरे हुए नजर आ रहे हैं। पाकिस्तान में इमरान खान से इस्तीफा मांगा जा रहा है। संसद में इमरान सरकार ने एक बिल पेश किया था लेकिन सपोर्ट नहीं मिलने की वजह से ये पास नहीं हो सका। जिसके बाद विपक्षी पार्टियों ने ये कहा कि इमरान सरकार के पास बहुमत नहीं है। ये भी हो सकता है कि आने वाले समय में इमरान सरकार को जल्द ही बहुमत सिद्ध करने के लिए कहा जाए। पाकिस्तानी पत्रकारों ने तो इमरान सरकार के गिरने की तारीख तक बता दी है। उनकी मानें तो एक हफ्ते के भीतर इमरान सरकार गिर जाएगी।

इमरान सरकार बिल पास नहीं करा सकी

10 नवंबर को इमरान खान ने संसद का संयुक्त सत्र बुलाने का फैसला लिया। लेकिन 30 मिनट बाद ही इसे टाल दिया। असल में इमरान एक बिल पास करना चाहते थे लेकिन वो अपने सहयोगी दलों को भी सपोर्ट करने के लिए राजी नहीं कर पाए। सासंदों को अपने पक्ष में करने के लिए इमरान खान ने लंच का प्रोग्राम रखा। सहयोगी पार्टियों को बुलाया। समर्थन के लिए जिहाद वाला भाषण भी दिया। लेकिन सारी कवायद बेकार साबित हुई। इमरान खान के सांसद ने एक बिल पेश किया लेकिन वो पास नहीं हो सका। जबकि विपक्षी दलों ने अपना बिल संसद में रखकर बहुमत से पास करा लिया। यानी पाकिस्तान में सरकार तो इमरान की है लेकिन उनके सांसद ही अपने कप्तान के खिलाफ वोटिंग कर रहे हैं। संसद में विपक्ष की मर्जी से बिल पास हो रहे हैं। इस्लामाबाद में किसी सरकार ने ऐसी शर्मिंदगी का सामना आज तक नहीं किया। जिसके बाद से ही पाकिस्तानी टीवी चैनलों पर इमरान खान की सरकार के गिरने की अटकलें लगाई जाने लगी।

बाजवा ने इमरान को कहा 'ना'

अब जरा पाकिस्तान में इमरान खान की मौजूदगी को समझते हैं। इमरान खान की सबसे नई दुश्मनी पाकिस्तानी जनरल कमर जावेद बाजवा से हुई है। प्रधानमंत्री इमरान खान ने तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान के प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग करने का आदेश पाकिस्तानी आर्मी चीफ को दिया। लेकिन बाजवा ने साफ कर दिया कि वो तहरीक-ए-लब्बैक के खिलाफ बल का प्रयोग नहीं करेंगे। बता दें कि तहरीक-ए-लब्बैक इमरान के लिए गले का कांटा बन गई है। जैसे ही इस संगठन ने इस्लामाबाद कूच किया इमरान सरकार की धड़कने तेज हो गई। आनन-फानन में रेंजर्स को तैनात किया गया लेकिन वो भी इन्हें रोकने में नाकामयाब नजर आने लगे। तब इमरान ने आर्मी चीफ बाजवा से मुलाकात कर तहरीक-ए-लब्बैक के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही। लेकिन बाजवा ने इससे साफ इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

साल 2014 में पाकिस्तान के पेशावर के आर्मी स्कूल पर हुए हमले को लेकर सुप्रीम कोर्ट संज्ञान लेते हुए इमरान खान को फटकार लगाई है। चीफ जस्टिस गुलजार अहमद ने प्रधानमंत्री इमरान खान को व्यक्तिगत रूप से

तलब किया। उन्होंने कहा कि ये मामले ऐसे नहीं चलेंगे और इसके लिए जिम्मेदारी तय करनी होगी।

एनएसए बैठक पर तालिबान के प्रवक्ता ने जारी किया बयान, कहा- भारत अहम देश, अच्छे संबंध चाहते हैं

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)। अफगानिस्तान की सत्ता पर शासन कर रहे तालिबान ने भारत को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। बता दें कि, तालिबान ने भारत को क्षेत्र का सबसे अहम और महत्वपूर्ण देश बताया है। तालिबान समूह ने भारत सरकार के साथ अच्छे राजनायिक संबंध बनाने की भी बात की हैं। इसके अलावा तालिबान ने भारत में अफगानिस्तान को लेकर हो रहे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तर की बैठक को लेकर भी बात की। यह बैठक बुधवार को एनएसए अजीत डोभाल की अध्यक्षता में भारत में आयोजित की गई थी जिसमें सात देशों के सुरक्षा सलाहकार भी मौजुद थे।

क्या कुछ कहा तालिबान के प्रवक्ता ने भारत को लेकर?

तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि, भारत द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की बैठक में भले ही तालिबान शामिल नहीं हुआ था लेकिन यह बैठक अफगानिस्तान के हित में की गई थी। कई देश इस समय अफगानिस्तान के हालात पर विचार कर रहा है और इस बैठक में शामिल हुए सात देश भी अफगानिस्तान की सुरक्षा और सरकार को बेहतर करने में मदद करने के लिए विचार कर रहे हैं। प्रवक्ता ने 'इस्लामिक अमीरात अफगानिस्तान की नीति' को एक बार फिर दोहराया और कहा कि, देश की जमीन का इस्तेमाल किसी देश के खिलाफ नहीं किया जाएगा और तालिबान भी एक आपसी सहयोग चाहता हैं।

बता दें कि, यह बैठक 10 नवंबर को हुई थी जिसमें भारत सरकार ने कहा था कि, वह अफगानिस्तान को मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए बिल्कुल भी प्रतिबद्ध हैं लेकिन भारत सरकार ने यह भी माना था कि, अफगानिस्तान में मदद पहुंचाना इस दौरान मुश्किल बने हुए हैं क्योंकि, अफगानिस्तान तक सड़क के रास्ते अनाज पहुंचाने के लिए भारत ने पाकिस्तान से मंजूरी मांगी है जिसका अभी तक कोई जवाब नहीं आया है। भारत के विदेश मंत्रालय से एक बयान जारी किया गया था जिसमें कहा था कि, अफगानिस्तान को भारत का पूरा समर्थन मिलेगा और भारत सभी लोगों की मदद कर रहा हैं। बुधवार को आयोजित की गई इस बैठक में अजित डोभाल ने कहा कि, इस वार्ता का आयोजन भारत में होना एक सौभाग्य की बात है और अफगानिस्तान की हर एक चीज पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। अफगानिस्तान के लोगों के साथ इसके पड़ोसी देशों पर भी इसका प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि, मुझे भरोसा है कि, हमारा विचार विमर्श अफगानिस्तान के लोगों की मदद और हमारी सुरक्षा में योगदान देगा।

उत्तर कोरिया की धमकी से बेहतर तरीके से निपटेगी दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान के साथ मजबुत करेगा सैन्य सहयोग

सियोल। (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया में मुख्य विपक्षी पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यून सुक येओल ने शुक्रवार को कहा कि अगर वह जीतते हैं तो अमेरिका व जापान के साथ सैन्य सहयोग को मजबूत करेंगे और उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम की धमकी से बेहतर तरीके से निपटेंगे। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि अमेरिका को प्राथमिकता देने वाली विदेश नीति बनाएंगे। गौरतलब है कि अब तक के सर्वेक्षणों में यून आगे चल रहे हैं और वह मुख्य कंजर्वेटिव विपक्षी पार्टी के पिछले सप्ताह ही राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी बने हैं। दक्षिण कोरिया में अगले साल मार्च में मौजूदा उदारवादी राष्ट्रपति मून जेई इन के उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए मतदान होना है।

हालांकि, उम्मीद की जा रही है कि यून को सत्तारूढ़ पार्टी के प्रत्याशी ली जेई म्युंग से कड़ी टक्कर मिलेगी। यून ने शुक्रवार को विदेशी मीडिया से बातचीत में जोर दिया कि वह अमेरिका और जापान के साथ सहयोग बढ़ाएंगे क्योंकि दक्षिण कोरिया के पास अकेले उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम की निगरानी करने की क्षमता नहीं है। यून ने कहा, ''ऐसे समय जब उत्तर कोरिया ने परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने से इनकार कर दिया है, परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है और भड़ाकने के लिए मिसाइलों का परीक्षण जारी रखे हुए है। यह स्वीकार्य तथ्य है कि हमें अमेरिका और जापान के साथ टोही और खुफिया परिसंपत्तियों को अद्यतन करना होगा।'' गौरतलब है कि दक्षिण कोरिया, अमेरिका और जापान का साझेदार है और करीब 80 हजार अमेरिकी सैनिकों की मेजबानी करता है।

अफगान कारोबारियों को सुरक्षा मुहैया कराने में नाकाम रहा तालिबान, अब हथियार रखने की दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में अब अफगान व्यापारियों की सुरक्षा एक चिंता का विषय बन गया है और तालिबानी सत्ता इनको सुरक्षा प्रदान कराने में विफल होती दिख रही है। इसी को देखते हुए, अब तालिबान ने गुरुवार को अफगान व्यापारियों को सुरक्षा प्रदान कराने के लिए हथियार अपने पास रखने की इजाजत दे दी है। एक खबर के मुताबिक, अफगान व्यापारी अब अपनी सुरक्षा के लिए अपने साथ हथियार रख सकते हैं। खामा प्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अफगानिस्तान के इस्लामिक अमीरात के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने इसकी घोषणा की है और कहा कि वह तकनीकी मुद्दों को हल करने के बाद अफगान व्यापारियों को हथियार ले जाने की अनुमति देंगे। 15 अगस्त 2021 को काबुल पर अपनी सत्ता जमाने के बाद तालिबान ने सभी लोगों और प्रशासन को निरस्त्र कर दिया था और तालिबान के अलावा किसी को भी हथियार रखने की इजाजत नहीं थी।

खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, आंतरिक मंत्रालय के प्रवक्ता सईद खोस्ती ने एक बयान में कहा कि, अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात अफगान व्यापारियों और निवेशकों की सुरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए प्रतिबद्ध है। तालिबान का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अफगान व्यापारियों को अपने पास हथियार रखने और सशस्त्र सुरक्षा गार्ड रखने की अनुमति नहीं है। इससे पहले, अपहरण, लूटपाट और धन की चोरी के बड़े खतरे से बचने के लिए अफगानिस्तान के सभी व्यापारी और निवेशक हथियार ले जाते थे और उनके पास सशस्त्र सुरक्षा गार्ड होते थे।

पाकिस्तान की हार के बाद गृहमंत्री शेख रशीद की बोलती बंद, हजारों की संख्या में लोग कर रहे Troll

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, पाकिस्तान की करारी शिक्सत के बाद पाकिस्तान के गृहमंत्री शेख रशीद अब सोशल मीडिया पर बुरी तरह ट्रोल हो रहे है। बता दें कि, टी-20 वर्ल्ड कप मैच में पाकिस्तान टीम ने जब भारत को हराया था तो शेख रशीद ने इस जीत को इस्लाम की जीत बताया था। इसी को देखते हुए अब पाकिस्तानी टीम की जब करारी हार हुई है तो लोग पाकिस्तान के गृहमंत्री शेख रशीद से सवाल कर रहे हैं और पूछ रहे हैं कि क्या पाक क्रिकेट टीम की हार एक इस्लाम की हार है? आपको बता दें कि, सोशल मीडिया पर हजारों की संख्या में लोग शेख रशीद को ट्रोल कर रहे हैं। भारत के एक ट्वीटर युजर ने शेख रशीद से पूछा कि, पाकिस्तान की हार भी क्या एक इस्लाम की हार है? जैसा कर्म करोगा उसका वैसी ही फल मिलेगा। वहीं एक युजर ने पाक गृहमंत्री की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि, इस्लाम की हार हुई? क्या ईसाइयों की जीत हुई?

पाकिस्तान की हार के बाद गृहमंत्री की बोलती बंद

पाकिस्तान की हार के बाद गृहमंत्री शेख रशीद की बोलती बंद हो गई। बता दें कि, रशीद ने एक ट्वीट पोस्ट किया है जिसमें वह ऑस्ट्रेलिया से हार मिलने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम को सांत्वना दे रहे है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, पाकिस्तान आपने अच्छा खेला। सेमीफाइनल को छोड़कर आपने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया। फिर भी कोई बात नहीं। पाकिस्तान की 22 करोड़ जनता के चेहरे पर खुशी लाने और शानदार प्रयास के लिए धन्यवाद। गौरतलब है कि, भारत के खिलाफ पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख रशीद ने एक वीडियो पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने दुनियाभर के मुसलमानों को पाकिस्तान की जीत पर बधाई दी थी। वीडियो में रशीद ने इस्लाम जिंदाबाद के नारे भी लगाए थे और कहा था कि, पाकिस्तान की जीत के पीछे भारत के मुसलमान की भी चाह थी।

नेपाल लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा में कराना चाहता है जनगणना, फिर खड़ा हो सकता है सीमा विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिथौरागढ़। भारत सरकार के विरोध के बावजूद पड़ोसी मुल्क नेपाल ने अपने देश का नया राजनीतिक और प्रशासनिक नक?शा जारी किया था और लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा के भारतीय इलाकों को अपने नक्शे में दर्शाया था। जिसके बाद विवाद खड़ा हो हुआ। लेकिन अब नेपाल ने एक और ओछी हरकत करने की कोशिश की है। दरअसल, नेपाल लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा में राष्ट्रीय जनगणना करने वाला है और इसके लिए नेपाल अपने भारतीय समकक्षों से संपर्क करने का प्रयास कर रहा है।

आपको बता दें कि नेपाल ने गुरुवार को 12वीं राष्ट्रीय जनगणना की शुरुआत की है। नेपाल के केंद्रीय सांख्यिकीय ब्यूरो (सीबीएस) के महानिदेशक नबीन लाल श्रेष्ठ ने जनगणना की शुरुआत के मौके पर कहा कि हम उन तीन क्षेत्रों में जनगणना करने के लिए विदेश मंत्रालय के माध्यम से भारतीय अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी विवादित क्षेत्रों से सूचनाएं एकत्रित करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए उपग्रह प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने की योजना है।

भारत ने भी जारी किया था नया नक्शा

भारत ने नवंबर 2019 में एक नया नक्शा जारी करते हुए इन लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को उसका हिस्सा दर्शाया था। इतना ही नहीं भारत ने नेपाल के इस कदम की तीखी आलोचना करते एकपक्षीय कार्रवाई बताया था। साथ ही कहा था कि काठमांडू को चेताया कि क्षेत्रीय दावों का ऐसा कृत्रिम विस्तार उसे स्वीकार्य नहीं होगा।

सीबीएस नेपाल के सूचना अधिकारी तीर्थ चौलागई ने कहा कि हमें आंकड़े जुटाने के लिए क्षेत्र में प्रवेश करने के लिहाज से वहां तैनात भारतीय सुरक्षाकर्मियों की अनुमति की जरूरत है। वे इस उद्देश्य से राजनयिक माध्यमों से प्रयास कर रहे हैं।

आपको बता दें कि नेपाल लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा के 395 किमी के भारतीय इलाके पर दावा कर रहा है जो भारतीय क्षेत्र है और इसे अपने नए नक्शे में शामिल किया है। जिसे भारत नहीं मानता है। इसी वजह से दोनों देशों के बीच में विवाद खड़ा हुआ। 395 किमी के इलाके में कालापानी का 60 किमी का इलाका और लिंपियाधुरा का 335 किमी का इलाका शामिल है।

सूचना अधिकारी तीर्थ चौलागई के मुताबिक, विवादित क्षेत्र में 5 गांवों में करीब

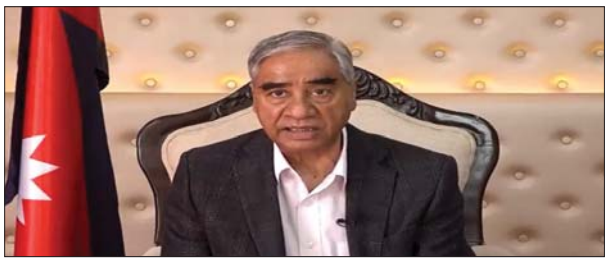

700 से 800 लोग रह रहे हैं। वहां के मकानों को जनगणना के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, नेपाल के पास कालापानी क्षेत्र का कोई मौजूदा जनगणना आंकड़ा नहीं है, हालांकि पड़ोसी देश का दावा है कि उसने 1961 में यहां एक सर्वेक्षण कराया था। भारत-नेपाल सीमा विवाद पिछले साल मई में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा घटियाबागर से लिपुलेख दर्रे तक 74 किमी लंबी सड़क का उद्घाटन करने के बाद शुरू हुआ था। नेपाल ने यह आरोप लगाते हुए विरोध दर्ज कराया था कि सड़क उसके क्षेत्र से होकर गुजरती है।

सुविचार आत्मविश्वास सरीखा दूसरा कोई मित्र नहीं। यही हमारी उन्नति में सबसे बड़ा सहयक होता है। - स्वामी विवेकानंद

संपादकीय

यूएपीए पर सुनवाई

कुछ वकीलों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों के खिलाफ त्रिपुरा पुलिस की एक अविवेकपूर्ण कार्रवाई ने देश में नई बहस को जन्म दे दिया है। दरअसल, इनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून, यानी यूएपीए के तहत कई धाराओं में मुकदमे दर्ज कर उसने सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से इन सबके बारे में सूचनाएं दरियाफ्त की हैं। इस कार्रवाई के विरुद्ध और इस कानून के खिलाफ भी फरियादी अब देश की आला अदालत में पहुंच गए हैं, जहां उनकी शिकायतों को सुनने का भरोसा प्रधान न्यायाधीश ने दिया है। यह पूरा प्रकरण त्रिपुरा से सटे बांग्लादेश में दुर्गापूजा के दौरान हुई हिंसा से जुड़ा है, जिसकी प्रतिक्रिया बाद में त्रिपुरा में भी देखने को मिली। विडंबना देखिए कि दोनों जगह, दो धर्मों से जुड़े लोगों की भूमिका बिल्कुल बदली हुई थी। दोनों के अनुयायी एक जगह पीड़ित, तो दूसरी जगह हमलावर के रूप में देखे गए। यकीनन, ऐसी वारदातें सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकतीं और दोनों जगहों पर घटी घटनाएं पुलिस की लापरवाही और उसकी निष्पक्षता को कठघरे में खड़ी करती हैं। त्रिपुरा पुलिस की ताजा कार्रवाई का मसला चूंकि सर्वोच्च न्यायालय के सामने है, इसलिए हम इसकी तफसील में गए बिना उस प्रवृत्ति पर टिप्पणी करेंगे, जो इन दिनों देश के तमाम राज्यों की पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों के चरित्र को गहरे प्रभावित कर रही है। अपनी अक्षमता छिपाने के लिए वे धड़ल्ले से उन्हीं लोगों का शिकार करने लगी हैं, जो उनकी कार्यशैली, सांविधानिक कर्तव्यहीनता पर सवाल खड़े करते हैं, बल्कि लोक प्रहरी की भूमिका भी निभाते हैं। इसकी तस्दीक इस एक तथ्य से की जा सकती है कि इस कानून के तहत दर्ज हजारों मुकदमों में से दो प्रतिशत से भी कम मामले अदालत में ठहर पाते हैं। पुलिस मुकदमे तो दर्ज कर लेती है, मगर उसके पास ठोस सुबूत नहीं होते। साफ है, ऐसे मुकदमों के पीछे कई बार जागरूक लोगों को डराने की मंशा होती है, या फिर सत्तासीन आकाओं को प्रसन्न करने का मकसद होता है। सुप्रीम कोर्ट पहुंचे वकील प्रशांत भूषण की इस अपील में दम है कि अदालत यूएपीए की उन धाराओं पर जरूर गौर करे, जो नागरिकों को संविधान से मिली अभिव्यक्ति की आजादी को कमतर करती हैं। इसमें कोई दोराय नहीं हो सकती कि यही वह महत्वपूर्ण अधिकार है, जो देश के नागरिकों को अपने शासकों को जिम्मेदार बनाने के लिए उनसे सवाल पूछने, नाइत्तफाकी रखने, बल्कि मर्यादा के दायरे में उनकी तीखी आलोचना का अधिकार देता है। दुर्योग से देश में आज भी ब्रिटिश दौर के कई कानून बने हुए हैं, जबकि खुद ब्रिटिश लोकतंत्र ने अपने यहां उनसे पिंड छुड़ा लिया है। हमारी न्यायपालिका यदि मुकदमों के बोझ से हांफ रही है, तो उसमें सच्चे-झूठे मामलों का बड़ा योगदान है। वक्त आ गया है कि अब निरर्थक कानूनों से मुक्ति पाई जाए, और न्यायपालिका एक ऐसा तंत्र खड़ा करे, जो फर्जी मुकदमे दर्ज करने वाले पुलिस अफसरों को हतोत्साहित कर सके। इससे असली अपराधी तो सलाखों के पीछे भेजे जाएंगे ही, न्याय के आसन पर बैठे न्यायाधीशों को किसी को रिहा करते वक्त यह मलाल नहीं होगा कि एक निरपराध नाहक ही इतने साल जेल में रहा। लोकतंत्र और न्याय, दोनों का तकाजा है कि यूएपीए जैसे मुकदमों के साथ पुलिस की जवाबदेही भी तय हो।

संचय

श्रीराम शर्मा आचार्य

अपव्यय एवं अनावश्यक संग्रह से अनेक प्रकार की दुष्प्रवृत्तियां पनपती हैं? अपव्यय करने वाले मानो बदले में दुष्प्रवृत्तियां खरीदते हैं और उनसे अपना और दूसरों का असीम अहित करते हैं। बुद्धिमानी की सही परख यही है कि जो भी कमाया जाए, उसका अनावश्यक संचय अथवा अपव्यय न हो। जो उपार्जन को सदाशयता में नहीं नियोजित करता वह घर में दुष्प्रवृत्तियां आमंत्रित करता है। लक्ष्मी उसी घर में बसती है, फलती है जहां उसका सदुपयोग हो। आडम्बरयुक्त प्रदर्शन, फैशन परस्ती, विवाहों में अनावश्यक खर्च, जुआ जैसे दुर्व्यसन ऐसे ही घरों में पनपते हैं, जहां उपार्जन के उपयोग पर ध्यान नहीं दिया जाता, उपभोग पर नियंत्रण नहीं होता। भगवान की लानत किसी को बदले में लेनी हो तो धन को स्वयं अपने ऊपर अनाप-शनाप खर्च कर अथवा दूसरों पर अनावश्यक रूप से लुटाकर सहज ही आमंत्रित कर सकता है। ऐसे उदाहरण आज के भौतिकता प्रधान समाज में चारों ओर देखने को मिलते हैं। परिवारों में कलह और सामाजिक अपराधों की वृद्धि का एक प्रमुख कारण अपव्यय की प्रवृत्ति भी है। समुद्र संचय नहीं करता, मेघ बनकर बरस जाता है तो बदले में नदियां दूना जल लेकर लौटती हैं। यदि वह भी कृपण हो संचय करने लगता तो नदियां सूख जातीं, अकाल छा जाता और यदि अत्यधिक उदार हो घनघोर बरसने लगता तो अतिवृष्टि की विभीषिका आ जाती। अत- समन्वित नीति ही ठीक है। एक सेठ बहुत धनी था। उसके कई लड़के भी थे। परिवार बढ़ा पर साथ ही सबमें मनोमालिन्य, द्वेष एवं कलह रहने लगा। एक रात को लक्ष्मीजी ने सपना दिया कि मैं अब तुम्हारे घर से जा रही हूं। पर चाहो तो चलते समय का एक वरदान मांग लो। सेठ ने कहा-'भगवती आप प्रसन्न हैं तो मेरे घर का कलह दूर कर दें, फिर आप भले ही चली जाएं।' लक्ष्मीजी ने कहा- 'मेरे जाने का कारण ही गृह कलह था। जिन घरों में परस्पर द्वेष रहता है, मैं वहां नहीं रहती। अब जबकि तुमने कलह दूर करने का वरदान मांग लिया और सब लोग शांतिपूर्वक रहोगे तब तो मुझे भी यहीं ठहरना पड़ेगा। सुमति वाले घरों को छोड़कर मैं कभी बाहर नहीं जाती। मैं अपना निर्णय वापस लेती हूं।'

सामरिक चुनौतियों से मुकाबले का वक्त

जी. पार्थसारथी

पिछले दिनों बेंगलुरु स्थित भारतीय वायुसेना के प्रशिक्षण कमान मुख्यालय में सपन्न हुए तीन दिवसीय सम्मेलन में रक्षा मंत्रालय के कामकाज में किए गए हालिया महत्वपूर्ण ढांचागत बदलावों का असर साफ देखने को मिला। यह आयोजन 1971 में भारत-पाक युद्ध के बाद बांग्लादेश के जन्म की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर किया गया था। समारोह का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया। अन्य मुख्य वक्ताओं में चीफ-ऑफ-डिफेंस स्टाफ बिपिन रावत और रक्षा सचिव अजय कुमार भी थे। सभाओं से एकदम साफ था कि रक्षा विभाग में काम करने के तौर-तरीकों में किए गए ढांचागत परिवर्तनों के बाद कार्यवाही में किस कदर बदलाव आया है। स्पष्टतः सेना के तीनों अंगों-थल, जल और नभ सेना-के बीच अब पहले से ज्यादा एकीकरण है और संस्थागत एवं तंत्रगत तालमेल बना है, जहां हरेक विभाग की जिम्मेवारियां और शक्तियां समुचित रूप से चिन्हित हैं और तंत्र संस्थानिक बन गया है। यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, क्योंकि औपनिवेशिक दौर वाला जो पुराना ढांचा था, उसमें काफी बदलावों की जरूरत थी ताकि 21वीं सदी की नयी सामरिक चुनौतियों का सामना किया जा सके। सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि 1971 का युद्ध किसी जीत या इलाका फतह के उद्देश्य से नहीं था। उन्होंने आगे कहा कि 'हमारी राजनीतिक-सैन्य दृष्टिकोण और कार्रवाइयों ने अन्याय और ज्यादतियों को खत्म कर एशिया में एक नये देश (बांग्लादेश) को जन्म दिया, यह सेना के तीनों अंगों और सरकार के बीच बना तालमेल और सहयोग था, जिसने इतने विशाल अभियान में हमारी सफलता सुनिश्चित की थी। इससे एक बार पुनः सिद्ध होता है कि जहां कहीं सत्य है... वहां विजय है।' इस अवसर पर राजनीति से इतर होकर रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों और 1971 के तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व की भूरि-भूरि प्रशंसा की। यह अब एकदम साफ है, और शुक्र है, सामरिक महत्व के गंभीर मुद्दों पर रक्षा मंत्रालय और सेना मुख्यालय की अलग-अलग बोली अब इतिहास की बात है। ऐसा लगता है कि भारत का वर्तमान रक्षा ढांचा तीनों अंगों और सेना के बीच समन्वय एवं सहयोग सुनिश्चित करने को तैयार है। चर्चा में पाकिस्तान का नाम आना स्वाभाविक था, किंतु सम्मेलन में तवज्जो का मुख्य केंद्र मुखर और दबंग हुए चीन से दरपेश नयी चुनौतियां रहीं। रक्षा मंत्री के उद बोधन के तुरंत बाद वक्ता चीफ-ऑफ-डिफेंस स्टाफ बिपिन रावत, जो कि सैन्य मामले विभाग के सचिव भी हैं, ने 'ग्रे-ज़ोन वारफेयर' नामक नीति अपनाने वालों का जिक्र किया, जो कि जाहिर है आतंकवाद को हवा देने वाला पाकिस्तान है। जनरल रावत ने कहा कि 'फिलहाल हमारा ज्यादा ध्यान चीन से पैदा हुए सुरक्षा खतरों पर है। तकनीकी क्षेत्र में चीन की तरक्की, वह साइबर हो या अंतरिक्ष में बनी बढ़त, यह भारत के लिए चिंतातुर घटनाक्रम है। चीन की विस्तारवादी नीति में आक्रामक तेवर रखना एक स्थाई भंगिमा रहेगी, जिसको लेकर हमें सचेत रहना होगा।' अपने संबोधन में रक्षा सचिव अजय कुमार ने चीन से बनती चुनौतियों पर बृहद चर्चा की, उन्होंने कहा कि 'चीन ने अपने लिए क्या ध्येय तय कर रखा है, उसे हम नज़रअंदाज नहीं कर सकते। वह न केवल एक क्षेत्रीय ताकत बनना चाहता है बल्कि वर्ष 2049 तक विश्वस्तरीय सैन्य शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा रखता है। उसने पिछले दशकों से थल, अंतरिक्ष और साइबर क्षेत्र में अपनी क्षमता में खासा इजाफा किया है, खासकर इलेक्ट्रो-मैगनेटिक और ड्रोन तकनीक में।' पूर्व सैनिक एवं राजनयिकों द्वारा पेश प्रस्तुतियों में, जिनमें ले. जनरल अता हसनैन और इस लेख का लेखक शामिल है, के व्याख्यानों से भी रक्षा मंत्री और मौजूदा कार्यरत सैन्य अधिकारियों की कही बातों की ताईद होती है। इनके ध्यान का केंद्र-बिंदु भी अधिकांशतः भारतीय उपमहाद्वीप समेत हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में चीन की भूमिका पर रहा और चीन द्वारा पाकिस्तान, अफगानिस्तान और हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में अपनाई भूमिका के बारे में बताया। यह एकदम स्पष्ट है कि चीन ने भारत को घेरने की दीर्घकालीन नीति अपना रखी है, इसी क्रम में बहुत सालों से वह पाकिस्तान को परमाणु अस्त्र और मिसाइल के विकास एवं तैनाती के लिए सहायता जारी रखे हुए है, ताकि वह भारत में दिल्ली से लेकर अंडमान-निकोबार द्वीप तक को निशाना बनाने की क्षमता प्राप्त कर सके। चीन ने हमारे पड़ोसी दक्षिण एशियाई देशों और भारत के बीच संबंध बिगाड़ने की गर्ज से वहां के भारत-विरोधी राजनीतिक दलों और तत्वों की मदद करने वाली नीति भी अपना रखी है। भौगोलिकता के हिसाब से भारत की स्थिति सामरिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वह होरमुज़ की खाड़ी से लेकर मलक्का की खाड़ी तक के हिंद महासागरीय क्षेत्र में नौवहनीय आवाजाही पर काफी प्रभाव डालने की हैसियत रखता है। इन जलमार्गों से होकर, रोजाना लगभग 3.6 करोड़ बैरल तेल अरब देशों से बाकी एशियाई मुल्कों तक पहुंचता है। इन नौवहनीय रूटों से पूरी दुनिया का अमूमन 64 प्रतिशत तेल ले जाया जाता है। चीन की मुख्य चिंता क्वाड संगठन को लेकर है, क्योंकि वह हिंद महासागर से होकर उस तक पहुंचने वाली अति आवश्यक ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति को नियंत्रित कर सकता है। भारत और उसके क्वाड सहयोगी मुल्कों को चाहिए कि वे समन्वित तरीके से हमख्याल देशों को जोड़कर दायरा बढ़ायें, खासकर गल्फ को-ऑपरेशन काउंसिल और आसियान संगठन को। चीन को हड़पने वाली शक्ति के तौर पर लिया जा रहा है, हिंद-प्रशांत महासागरीय इलाके के कम-से-कम 16 पड़ोसी मुल्कों के साथ उसके जलीय-थलीय सीमा संबंधी दावे हैं। इसके अलावा चीन की नीति का उद्देश्य पहले समूचे दक्षिण एशिया क्षेत्र में क्षेत्रीय महाशक्ति बनना है, फिर चाहे यह भारत की दहलीज पर स्थित नेपाल या श्रीलंका, बांग्लादेश, मालदीव या भूटान हो, वह सब पर अपना प्रभुत्व जमाना चाहता है। दक्षिण एशिया और उससे परे चीन अपनी नीतियां पाकिस्तानी सेना के रावलपिंडी स्थित सेना मुख्यालय से निकट गठजोड़ और तालमेल बनाकर चला रहा है। चूंकि पाकिस्तान नहीं चाहता कि दक्षेस संगठन की दक्षिण एशिया में कोई रचनात्मक भूमिका हो, इसलिए भारत को चाहिए कि वह अन्य संगठन, मसलन बिम्सटेक, जिसके सदस्य हमारे दक्षिण एशियाई पड़ोसी मुल्क हैं, के साथ जुड़कर आसियान संगठन के देशों तक जाते क्षेत्रीय संपर्क मार्ग बनाने वाले काम को बढ़ावा दे। यदि लगभग दो दशक पहले तैयार की गई योजना सिरे चढ़ जाती तो आज दक्षिण एशिया भी अमीर होता। अफसोस कि ऐसा हो न पाया, क्योंकि पाकिस्तान ने बृहद आर्थिक एकीकरण वाले यत्नों को सफल न होने देने का हरचंद प्रयास किया है। इसी बीच पाकिस्तान को यकीन हो गया है कि उसके हित अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक संपर्क मार्ग बनाने और आर्थिक एकीकरण करने से ज्यादा सधते हैं। लेकिन यह कहना आसान है और कर दिखाना बहुत मुश्किल। विगत में, भारत ने दिखा दिया है कि उसके संबंध पड़ोसी मुल्क जैसे कि ईरान, खाड़ी के अरब देश और मध्य एशिया में ताजिकिस्तान, यहां तक कि रूस के साथ कितनी मजबूत जमीन पर टिके हैं।

लेखक पूर्व राजनयिक हैं।

दिल की लगी से जगी ज्ञान की अलख

अरुण नैथानी

हाल ही में जब देश के राष्ट्रपति दरबार हॉल में आयोजित भव्य समारोह में पद्म पुरस्कारों का वितरण कर रहे थे तो एक साधारण कपड़े पहने, पैरों में बिना चप्पल पहने व सपाट चेहरे वाले व्यक्ति ने पूरे देश का ध्यान खींचा। उन्हें पद्मश्री मिलने पर पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। निस्संदेह, देश के लिये अनुकरणीय पहल करने वाले समाज के अंतिम व्यक्ति को चौथा बड़ा नागरिक सम्मान मिलना हमारे लोकतंत्र की खूबसूरती ही कहा जायेगा। बेहद मामूली पृष्ठभूमि से आने वाले हरेकला हजब्बा ने असाधारण हौसले से वो कर दिखाया जो संपन्न लोग व स्वयंसेवी संस्थाएं भी नहीं कर सकतीं। उनका यही असाधारण काम उन्हें असाधारण लोगों की पंक्ति में खड़ा करता है। दरअसल, जिस व्यक्ति ने कभी स्कूल का मुंह नहीं देखा, उसने संतरे बेचने से हुई मामूली कमाई से अपने गांव में एक स्कूल खोलकर सैकड़ों ऐसे बच्चों का भविष्य संवार दिया, जिन्हें स्कूल जाने का मौका नहीं मिल रहा था। उनके मन में बस एक ही संकल्प था कि अशिक्षा के चलते उन्होंने जो संत्रास झेला, उसे उनके गांव की आने वाली पीढ़ियां न भोगें। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर न्यूपाड़पू गांव के रहने वाले हरेकला हजब्बा को गरीबी के चलते स्कूल जाने का मौका नहीं मिला। वैसे उनके गांव में स्कूल था ही नहीं। वे फलों की छोटी-सी दुकान लगाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते। डेढ़ सौ-दो सौ रुपये की कमाई से संतुष्ट नजर आते। एक दिन वे अपनी दुकान पर संतरे बेच रहे थे। इस दौरान उनकी दुकान पर कुछ विदेशी टूरिस्ट आये और नारंगी व संतरे के बारे में इंग्लिश में पूछने लगे। पढ़ा-लिखा न होने के कारण वे उनको जवाब नहीं दे पाये। इस घटना से उनके दिल पर गहरी चोट लगी कि जो फल मैं बरसों से बेच रहा हूं, उसके बारे व दाम के बाबत मैं कुछ नहीं बता पाया। ये दिल की लगी ही उनके स्कूल खोलने के जुनून का माध्यम बनी। उनके पिछड़े गांव न्यूपाड़पू में कोई स्कूल नहीं था। हरेकला हजब्बा ने गांव के बच्चों के दर्द को समझा, क्योंकि गांव के सारे बच्चे विधिवत स्कूली ज्ञान से वंचित थे। उन्होंने मन बनाया कि अज्ञानता की वजह से उन्होंने जो झेला है, उसे आने वाली पीढ़ियां ने झेलें। तभी उन्होंने अपनी जमा पूंजी से स्कूल खोलने का संकल्प लिया। लेकिन हरेकला की स्कूल खोलने की राह इतनी आसान भी न थी। उनकी जमा पूंजी बहुत ज्यादा नहीं थी। वर्ष 1995 से उनका अभियान शुरू हुआ और वर्ष 2000 आते-आते मूर्त रूप ले पाया। शुरुआत में उन्हें किसी का सहयोग नहीं मिला। पहले-पहल उन्होंने गांव के मदरसे के परिसर में स्कूल खोला। तब मात्र 28 बच्चों के साथ पढ़ाई-लिखाई का काम शुरू हुआ। फिर स्कूल की अपनी बिल्डिंग बनाने की तैयारी हुई। जैसे-जैसे स्कूल में बच्चे सैकड़ा पार कर गये तो बिल्डिंग का काम प्रारंभ हुआ। इसके लिये उन्होंने ऋण हेतु आवेदन किया और अपनी जमा-पूंजी उसमें लगा दी। साथ ही वे अपनी सालाना कमाई से भी इसमें योगदान करते रहे। फिर उनका जज्बा देखकर गांव के भी कुछ लोग जुटे। जब एक स्थानीय अखबार ने उनके बारे में छापा तो प्रदेश सरकार ने उन्हें एक लाख रुपये मदद के तौर पर दिये। फिर कई अन्य लोग मदद के लिये आगे आये। आज उनका बनाया स्कूल एक एकड़ में फैला हुआ है। लेकिन स्कूल के लिये जमीन लेने और शिक्षा विभाग से इसे मान्यता दिलाने में उन्हें खासे पापड़ भी बेलने पड़े। कालांतर वर्ष 1999 में दक्षिण कन्नड़ जिला पंचायत ने उनके स्कूल को मान्यता दी। आज हरेकला हजब्बा के स्कूल में प्राइमरी स्तर तक ही पढ़ाई होती है। उनका सपना है कि गांव में भविष्य में एक प्री-यूनिवर्सिटी कालेज खुल सके ताकि गांव के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिये धक्के न खाने पड़ें। वे लगातार इसकी तैयारी में जुटे हैं। आज भी अपनी बचत का पूरा हिस्सा वे स्कूल के लिये देते हैं। निस्संदेह निरक्षर होकर भी शिक्षा का महत्व समझने वाले हरेकला हजब्बा ने अपने गांव में शिक्षा की ज्योति जला दी है। गांव के लोग उन्हें एक नायक की तरह देखते हैं। उन्हें अब तक कई पुरस्कार भी मिल

चुके हैं। अब पद्मश्री मिलने के बाद तो वे इलाके में प्रतिष्ठित लोगों में गिने जाने लगे हैं। दरअसल, हरेकला हजब्बा को पद्मश्री देने की घोषणा 25 जनवरी, 2020 में ही कर दी गई थी लेकिन कोरोना महामारी के चलते देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को टाल दिया गया। अब इस साल के पद्म पुरस्कार वितरण समारोह के साथ उन्हें सम्मान देने का निर्णय लिया गया। निस्संदेह, हरेकला हजब्बा का सामाजिक व शिक्षा के क्षेत्र में दिया गया योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद वह कर दिखाया जो संपन्न संसाधनों वाले व्यक्ति व संगठन भी नहीं कर पाते। बेहद मामूली पृष्ठभूमि से आने वाले हरेकला हजब्बा के योगदान ने उन्हें पद्म पुरस्कार विजेताओं की श्रेणी में ला खड़ा किया। यही वजह है कि पद्म पुरस्कार पाने वाले तमाम नामी-गिरामी लोगों के बजाय पूरे देश ने उनके सम्मान को खासी तरजीह दी। पुरस्कार मिलते ही वे सोशल मीडिया में नायक की तरह उभरे। यही वजह है कि उनके इलाके के लोग उनकी प्रशंसा करते नहीं थकते, लेकिन हरेकला हजब्बा का लक्ष्य सिर्फ अपने मिशन को विस्तार देना ही है।

सू-दोकू नवताल -1959

8		5		6	7		1	
	6		8	9			7	
3								2
	3		4		9			
6		2		1		4		3
			6		5		2	
2								1
	1			7	6		4	
	9		5	4		2		6

सू-दोकू 1958 का हल

5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	2	9	4	8	5	7	6
9	8	6	7	3	5	1	4	2
2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	9	6	2	3	7	1	8
7	1	3	8	5	9	2	6	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-1959

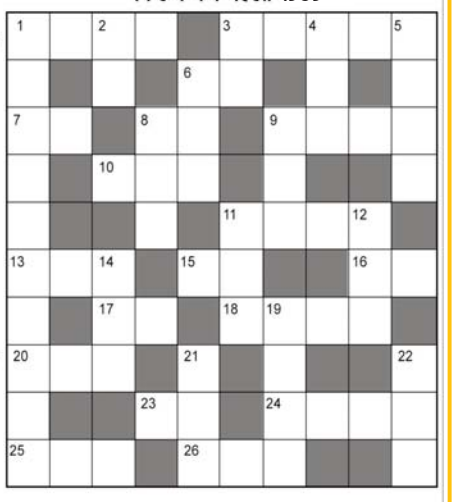

बायें से दायें:-

1. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-4
3. 'सी दर्द हैं सी गहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-2,1,2
6. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-2
7. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-2
8. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-2
9. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-4
10. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-3
11. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-4
13. सनी, मीनाक्षी शेशादि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-3
15. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-2
16. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-2
17. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-2
18. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-4
20. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-3
23. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-2
24. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-2,2
25. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-3
26. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

8. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-3
9. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-3
11. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-3
12. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-3
14. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-3
19. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-4
21. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-3
22. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गौंव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-1958

1. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-2,4,1,3
2. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-2
3. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-2
4. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-3
5. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-2,2
6. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-3

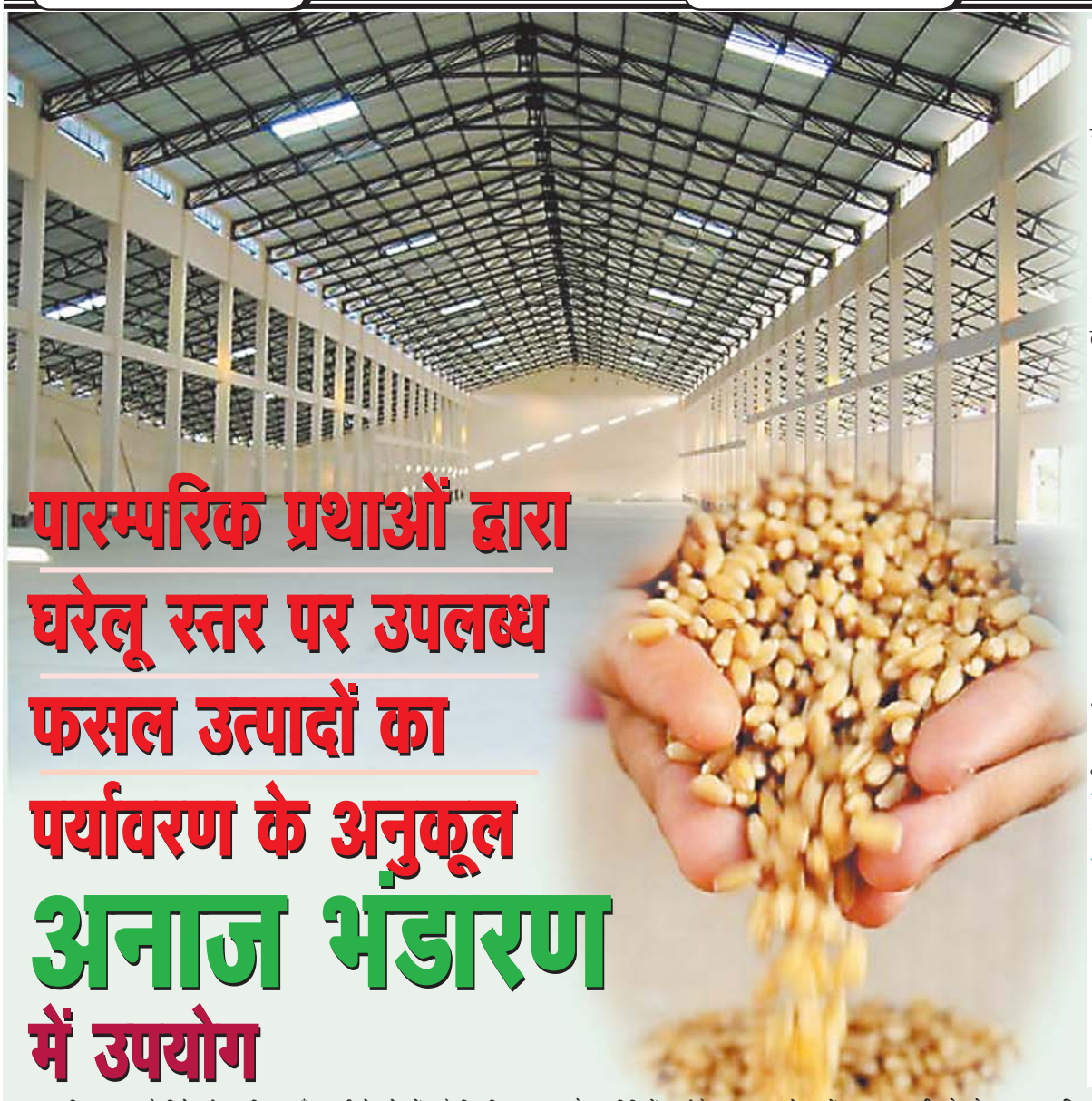

पारम्परिक प्रथाओं द्वारा घरेलू स्तर पर उपलब्ध फसल उत्पादों का पर्यावरण के अनुकूल अनाज भंडारण में उपयोग

खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) का अनुमान है कि वैष्विक खाद्य उत्पादन में 2030 तक 40 प्रतिशत तथा 2050 तक 70 प्रतिशत तक बढ़ाने की आवश्यकता है। भारत में अनाज और तिलहन की फसलों में 10 से 20 प्रतिशत तक का नुकसान अनुमानित है। सरकारी रिकार्ड के अनुसार, अकेले साल 2010 में सरकारी गोदामों में 11,700 टन भण्डारित खाद्यान्न सड़ जाने से भारत को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा है । अनाज की खपत की भारी मांग और उसके महत्व को ध्यान में रखते हुए अनाज के उचित भंडारण को नकारा नहीं जा सकता।

सुरक्षित भण्डारण के लिये कई पारम्परिक प्रथाएँ आसानी से प्रयोग में लाई जाती है व काफी किफायती और वातावरण के अनुकूल है। ये प्रक्रियाएं आमतौर पर स्थानीय रुप से उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित होती है। घरेलू स्तर पर अधिकतम प्रयोग में लाए जाने वाली पारम्परिक प्रथाओं की सूचि का यहाँ विवरण किया गया है। इसके अलावा खाद्यानों का एक बड़ा हिस्सा घरेलू स्तर पर भण्डारण प्रक्रिया के दौरान (40-50 प्रतिशत) नश्ट होता है (खाद्य और कृशि संगठन, 2011)। घरेलू स्तर उपर सुरक्षित भण्डारण एक जरूरी प्रक्रिया है क्योंकि कीटों एवं सूक्ष्म जैविक कारक खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं पौश्टिकता में भारी कमी का मुख्य कारण है इसके साथ-साथ ये कारक अनाजों की मात्रा में भी भारी कमी लाते है। कीटों और जैविक कारक अपने विशाक्त पदार्थों को उत्पादित कर और अपने मलमूत्र से लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव डालते है।

अनाज संकमित कीटों के प्रकार

कवक - कवक एक कोषिकीय बीजाणु है जिनमें जनन स्वत- ही होता है इसलिए इनके बीजाणुओं को पर्यावरण की पहुंच से दूर रखा जाना चाहिए ताकि ये भंडारित अनाज को संक्रमित ना कर सके। भंडारित अनाजों में कवक संक्रमण की अवस्था को पहचानना मुष्किल है। संक्रमण का फैलाव बीजाणुओं द्वारा होता है जो वातावरण में मौजूद हवा और कीटों द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान फैलते है। दाने का कालापन और तीखी गंध, कवक संक्रमण के कुछ मुख्य लक्शण है जिससे अनाज की गुणवता, रंग और स्वाद प्रभावित होते है और खाने की वस्तुओं की पौश्टिकता में भी भारी कमी आती है। भण्डारित स्थान पर उमस और नमी का होना कवक संक्रमण का प्रमुख कारण है। अनाज को कवक के संक्रमण से बचाने के लिए पूरी तरह सूखा कर भंडारण करना ही उचित माना जाता है।

कीट- भृंग और पंतग दो मुख्य प्रकार के कीट होते है जो भण्डारित दालों और अनाजों को नुकसान पहुंचाते है। कीटों को जिंदा रहने के लिए आवश्यक सभी शर्तें भंडार गृह में अच्छी तरह से मौजूद होती है। दोनो के बच्चों को पहचानना बहुत ही मुश्किल होता है क्योंकि ये बहुत छोटे बीज के समान आकृति वाले होते है जो कि बीजों के अंदर रहकर नुकसान पहुचातें है। टूटे हुए बीजों को भण्डारित करने से कीटों व कीड़ों को बुलावा मिलता है इसलिए कभी भी साबूत बीजों के साथ टूटे हुए बीजों को भण्डारित न करें।

चूहे -भंडारित अनाज को नुकसान पहुंचाने में चूहे भी एक प्रमुख कारण है। चूहें जूट के बने हुए थैलों में आसानी से छेद करके बीजो का काफी नुकसान पहुंचा देते है जिससे खाद्य पदार्थ की गुणवता में कमी आने से अनेक प्रकार हानिकारक बीमारियां फैलती है। चूहों की रोकथाम पिंजरों का प्रयोग कर व रासायनिक उपचार दोनो प्रकार से किया जा सकता है परन्तु पिंजरे का प्रयोग करना अधिक सार्थक माना जाता है।

तालिका 1 भंडारित अनाज के प्रमुख हानिकारक कीट

क्र. सं.	हिन्दी नाम	संक्रमित होने वाले अनाज
1	आटा घुन	अनाज एवं अनाज उत्पादों, सुखे फलों एवं तम्बाकू
2	दलहनी घुन	राजमा सहित विभिन्न प्रकार की दाले
3	लोबिया घुन	दालें
4	लोबिया भृंग	सोयाबीन सहित विभिन्न प्रकार के दालें
5	दलहन भृंग	सोयाबीन एवं राजमा के अलावा विभिन्न प्रकार के दाले
6	धान का शल्भ	चावल, मक्का, सोयाबीन, मूँगफली, सूखे मेवे, नारियल, आटा
7	अनाज का भूरा तिलचट्टा	मक्का, गेहूँ
8	उश्ण कटिबंधीय गोदाम कीट	चावल, मक्का, मूँग की दाल, सोयाबीन, मूँगफली, सूखे मेवे, नारियल, आटा
9	अनाज का चूरा शल्भ	चावल, मक्का, गेहूँ, सोरगम
10	आस्ट्रेलियाँ गेहूँ भेदक	पौध, चावल, मक्का, सोरगम, कंदमूल
11	धान का भृंग	चावल, मक्का, गेहूँ, सोरगम, दाले
12	अंगोमोइटस अनाज पतंग	धान, गेहूँ व मक्का
13	लल आटा भृंग	सभी प्रकार की दाले व मसाले
14	लाल घुन	सभी प्रकार की दाले व मसाले

परंपरागत तरीकों द्वारा अनाज का किफायती व सुरक्षित भंडारण

स्थानीय रुप से उपलब्ध पौधे और उनके उत्पादों से अनाजों का सुरक्षित भंडारण के लिए पुराने समय से इस्तेमाल में लाया जाता रहा है। आधुनिक तौर-तरीके की तुलना में परंपरागत तौर तरीके अधिक सस्ते एवं आसानी से उपलब्ध है। प्रकृति ने मानव को कई औषधि व निरोगी गुण वाली जड़ी बुटियाँ वनस्पति के रूप में प्रदान की है जैसे-नीम, हल्दी, तुलसी इत्यादि। यहां उन्ही उत्पादों का उपयोग अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए किया गया है।

पुराने समय में भंडारण प्रक्रिया प्रत्येक समाज और देषों के क्षेत्र, गावं एवं समुदाय में अलग-अलग तरीके से हुआ करती थी। ज्यादातर देशों में उत्पादित अनाज का भंडारण बांस एवं मिट्टी के बने बास्केट, जूट के थैले में किया जाता था। यह प्रक्रियां आसानी से उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग कर इस्तेमाल में लाई जाती है।

1 धूप में सूखाकर - यह भंडारण की बहुत आसान एवं टिकाऊ विधि है लंबे समय से इसका प्रयोग अनाज में नमी, कीटों के प्रजनन में रोकथाम के लिए किया जाता रहा है। इस विधि में कटाई के बाद अनाज को धूप में सूखाकर लंबे समय के लिए उसे भंडारित कर देते है। इससे कीटों में होने वाली प्रजनन क्रिया रूक जाती है। यह विधि बड़े एवं छोटे दोनों स्तर के किसानो के लिए बहुत लाभदायी व प्रभावी है। यह प्रक्रिया अप्रैल, मई व जून के महीने में एक करने से किसी भी प्रकार के कीड़ो और कीटों पर काबू पाया जा सकता है।

2 नीम की पत्तियों का इस्तेमाल कीटों व कीड़ों के रोकथाम के रूप में - नीम की पत्तियों का इस्तेमाल कीटों व कीड़ों को भंडारित अनाज से दूर भगाने के लिए किया जाता रहा है। इसके लिए पेड़ से ताजी पत्तियों की जमा कर उन्हे छाया में सूखाकर जाता है सीधे अनाज के साथ मिलाकर, अनाज की पेटी को बंद कर दिया जाता है। यह विधि बहुत ही सस्ती, सुरक्षित एवं प्रभावी है। रागी को भण्डारित करने के लिए दक्षिणी भारतीय किसानों द्वारा नीम की पत्तियों का इस्तेमाल कर कीटों व कीड़ों से सुरक्षा के लिए किया जाता है।

3 हल्दी - एक प्रति किलों अनाज में 40 ग्राम हल्दी का चूर्ण का भी उपयोग एक अच्छे विकल्प के रुप में किया जाता है। भंडारण से पहले अनाज को हल्दी के चूर्ण के साथ हल्के हाथ से रगड़ कर आधे घटें के लिए धूप में सूखा देते है। कच्ची हल्दी का इस्तेमाल भी कीटों से सुरक्षा के लिए किया जाता है। इसके तेज गंध एवं नाषीजीव रोधीगुण के कारण कीट अनाज से दूर रहते है। यह उपचार कीटों से लम्बें समय तक सुरक्षा प्रदान करती है और खाने की दृश्टि से भी सुरक्षित है।

4 मसालों का उपयोग - ग्रामीण महिलाओं द्वारा लाल मिर्च का प्रयोग भी खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भण्डारण के लिए किया जाता रहा है। लहसुन के नाषीरोधी गुण के कारण कीड़ों के संक्रमण की संख्या को कम किया जा सकता है। लहसुन के गुच्छों को चावलों की सतह में रखकर अनाज की पेटी को अच्छे से बंद कर देते है। लहसुन की गंध के कारण कीडे पहुंच से बाहर हो जाते है इसलिए अनाज और चावलों के भंडारण में लहसुन के गुच्छों को प्रयोग किया जाता है।

5 मीठे प्रकंद का इस्तेमाल कीटों व कीड़ों की रोकथाम के लिए - 50 किलोग्राम अनाज में 1 कि. ग्रा. मीठे प्रकंद को लें, उसका चूर्ण बनाकर कपड़े से बने छोटे थैले में भर कर उसे भंडारित अनाज के साथ पेटी में रख कर बंद दें।

6 नमक का प्रयोग कीटों की रोकथाम के लिए - पुराने समय से ही नमक का उपयोग कवक एवं जीवाणुओं से बचाव के लिए किया जाता रहा है नमक कीड़ों के प्रवेश को रोकता है। 1 कि. ग्र. लाल चने के साथ करीब 200 ग्राम नमक मिलाकर जूट से बने थैले में अनाज को इकठ्ठा कर उसकी अच्छे से सिलाई कर दें परन्तु यह विधि 4 या 5 महीने के लिये ही सहायक है। नमक का प्रयोग बड़े स्तर पर इमली के भण्डाण के लिए भी उपयोगी है। इस विधि में इमली को तोड़ने के बाद उसे मिट्टी से बने घड़ो के अंदर के परतों के रुप में इक्टठा कर दिया जाता है। इसके बाद 1 किलोग्राम इमली मे 10 ग्राम नमक का मिश्रण किया जाता है। यह विधि नाषीजीवों के आक्रमण जैसे भृंग, पंतगे आदि के रोकथाम में सहायक है।

7 चूना का प्रयोग कर उपचार करना - चूना नाषीजीवों को नियंत्रित करने के लिए बहुत पहले से ही प्रयोग में लाये जाने वाली विधि है। यह बहुत ही सस्ती एवं आसान उपाय है। नाषीजीवों को नियंत्रित करने के लिए, इस विधि में चूने का चूर्ण बनाकर उसे चावलों के साथ मिला दे फिर जूट से बने थैले में डालकर सूखे स्थान पर रख दे। इसकी महक से कीडें दूर भाग जाते है और उसकी प्रजनन प्रक्रिया को भी रोक देता है। साधारणतः10 ग्राम चूने का इस्तेमाल 1 किलोग्राम अनाज को उपचारित करने में किया जाता है यह उपचार नाषीजीवों के आक्रमण से लबें समय तक बचाता है।

8 राख द्वारा नाषीजीवों का नियंत्रण - यह विधि नियमित रूप से किसानों द्वारा पुराने समय से इस्तेमाल में लाई जा रही है। इस विधि में दालों को भण्डारित करने के लिए मिट्टी से बने घड़े के अंदर 3/4 भाग राख व बाकि बचे एक चौथाई भाग में गाय का गोबर और लकड़ी की राख से भरकर बंद कर दे। छः महीने के बाद यह विधि फिर से दोहराएं। अनाज को भी इसी प्रकार गाय के गोबर की राख के साथ मिलाकर भण्डारित करते है जो कीट रोधी होती है।

9 कीटों व कीड़ों से बचाव के लिये माचिस की डिब्बियों का उपयोग- ग्रामीण महिलाओं द्वारा अनाज को भण्डारित करने में यह विधि बहुत पहले से इस्तेमाल में लाई जा रही है। इस विधि में सामान्यत- 6 से 8 माचिस की डिब्बियों को अनाज की पेटी की स्तह में, बीच मे व उपरी हिस्से में रखकर उसे अच्छे से बंद कर देते है। माचिस की तिल्लियों में फास्फोरस होता है जो कीड़ों के संक्रमण के राकथाम में सहायक होता है। इससे अधिक मात्रा प्रयोग में हानिकारक है।

10 नीम के घोल द्वारा उपचारित जूट से बने थैले का उपयोग - अनाज का सुरक्षित भण्डारण करने के लिए जूट से बने थैलें बड़ी मात्रा में उपयोगी है। भण्डारण से पहले थैलों को नीम के घोल से उपचारित किया जाता है।

नीम के घोल का तैयार करने की विधि - 10 लीटर पानी में 10 प्रतिशत नीम के बीज का चूर्ण बनाकर पोटली में बाँध कर पूरी रात पानी में डुबो कर रखें उसके बाद पोटली को निचोड़ कर आधे घण्टे के लिए थैलो को नीम के घोल में डाल देते है। थैले को हमेशा छाया में सुखाकर ही इसका इस्तेमाल अनाज भण्डारण के लिये करे। यह विधि एक वर्ष तक ही कीड़ों व कीटों से बचाव के लिए उपयोगी है। उपचारित जूट के बने थैलों का प्रयोग अनाज भण्डारण में बिना किसा भय के किया जा सकता है। इस प्रक्रिया में 10 जूट थैले के लिये 2 से 8 लीटर नीम के बीज की आवश्यकता होती है।

फसल उत्पादों का इस्तेमाल कीड़ों व कीटों की रोकथाम के रूप में नीम के बीज द्वारा प्राप्त उत्पाद-

10 प्रतिशत नीम के बीज से घोल तैयार करने के लिए 1 कि. ग्रा. नीम के बीजों का चूर्ण एवं 10 लीटर पानी की आवश्यकता होती है।

कपड़े की पोटली में 1 ग्राम नीम के बीज का चूर्ण बनाकर उसे 10 लीटर पानी में सारी रात डूबोकर रखें।

अगलं दिन पोटली को निचोड़ कर पानी कर इस्तेमाल नीम के घोल के रूप में करे।

जूट से बने थैले को उपचारित करने के लिए उसे आधे घंटे के लिए नीम के घोल में डाल दे। थैलों को हमेशा छाया मे ही सुखायें।

नीम के तेल का उपयोग

1) घरेलू एवं परंपरागत तौर पर नीम के तेल का उपयोग किसानों द्वारा बीजों को उपचारित करने में किया जाता है। 1 कि. ग्रा. अनाज को उपचारित करने के लिये 20 मि.ली. नीम का तेल काफी है। नीम का तेल भृंग, घुन, लाल सुरी, सफेद लबें सिर वाली सुरी और पतंगे इत्यादि की रोकथाम में सहायक है।

2) यदि नीम के तेल में नारियल तेल या अरंडी का तेल 1 : 1 के अनुपात में मिला दिया जाए तो परिणाम और भी प्रभावी होता है। सोयाबीन का तेल एवं मूँगफली का तेल भी सुरक्षात्मक दृश्टि से इस्तेमाल किया जा सकता है। सिट्रोनेला पत्तियों से निर्मित उत्पाद नाषी संक्रमण के प्रतिरोधी एवं काफी प्रभावी परिणाम देने वाला होता है।

तालिका नं. 2 कवक प्रतिरोधी आवश्यक तेलों की सूची

पादप	साधारणनाम	कार्यविधिस्तर
ग्रेविओलेंस पत्ति	नीम	सभी सक्रिय हैं।
एपियम ग्रोमिओलेंस (पत्ति)	केवेरि	
कुरकुमा ऐरोमेटिका	जंगली अदरक	
मेरिस्टिका	नटमेग	
सिट्रस मेडिका	बड़ा निम्बू	सभी कवक संक्रमण प्रतिरोधी है।
कैजुलिया एक्सीलेरिस	गठालिया	
कवकनाषी	ओसिमम कैनम	
काली तुलसी	कवकनाषी	

1) ढाँचे को साफ एवं मुरम्मत रखे -- ढाँचे को हमेषा साफ एवं सही तरीके से ही उपचार करें। गर्मी के महीनों में कीड़े ठण्ड की तुलना में ज्यादा क्रियाशील होते है इसलिये भण्डारण से पूर्व गर्मी के मौसम में सही तरीके से इसे पूरी तरह से उपचारित करें। भंडारण में होने वाले दरारों एवं छिद्रों को पूरी तरह से तुरंत मुरम्मत या बंद करवा देना ही सही होता है। पुराने अनाज को स्थान परिवर्तन करते समय उसे सही तरीके से जांचना चाहिए । यदि अनाज संक्रमित हैं तो उसे जल्द ही उपचारित करें।

2) केवल साफ एवं सूखे अनाजों का ही भण्डारण करें- अनाज के टुकड़े, धूल एवं भूसा- कीड़ों को अपनी तरफ आकर्शित करते है एवं कीड़ों के प्रजनन में सहायक होता है। लम्बे समय तक भण्डारण को देखते हुए अनाज को सही एवं समुचित तरीके से धूप में सुखाकर, साफ करके ही भण्डारित करें।

3) विशेष स्वच्छता- इस बात का विषेष ध्यान रखे कि भंडारण से पहले भण्डारण ढ़ाचा तथा यंत्र जैसे ट्रक आदि विषेष रुप से साफ हो। कोई भी पहले से पड़ा हुआ अनाज इत्यादि न हो ।

4) अनाजों का नियमित निरक्षण- नियमित देख-रेख भण्डारण प्रक्रिया का अति महत्वपूर्ण प्रयास और कदम सही दिषा में है ।

निष्कर्ष- खाद्य पदार्थों की सही गुणवत्ता को घरेलू स्तर पर बनाए रखने के लिये यह आवश्यक हो जाता है कि भण्डारण के विभिन्न वैज्ञानिक तरीकों को अपनाया जाए।

ये सभी प्रयास सामग्री एवं विधि केवल भण्डारण के उद्देष्य से है परंतु प्रति वर्ष उपलब्ध होने वाले खाद्य सामग्री भण्डारण तभी संभव है जब भण्डारण घरेलू स्तर पर सही तरीके से हो ओर उनका भविष्य में इस्तेमाल वाणिज्यिक उद्देश्य से हो इसलिये पर्यावरण अनुकूल, सुरक्षित ओर प्रभावी भण्डारण को प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता है। उपयुक्त सारे प्रयास को पुनः नये सिरे से अपनाकर उन्हें ओर प्रभावी बनाने की आवष्यकता है जिससे भविष्य में आने वाली पीढ़ी लाभान्वित हो।

गेहूँ में कटाई उपरांत प्रबंधन एवं भंडारण

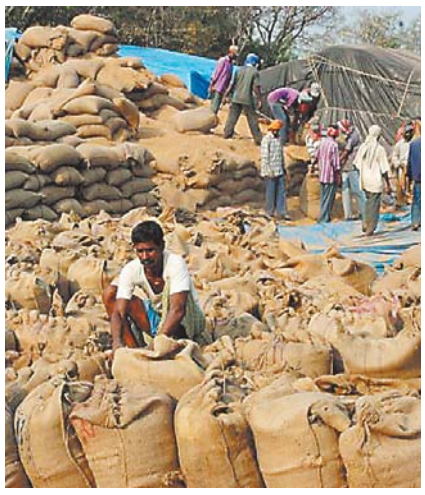

विश्व में उगाई जाने वाले अनाजों में गेहूँ का स्थान धान एवं मक्का के पश्चात तीसरा है और यह सभी प्रमुख सभ्यताओं में स्थायी खाद्य है। 1960 के दौरान हरित क्रांति द्वारा प्रोत्साहित होने के कारण विश्व का लगभग 36 प्रतिषत गेहूँ का उत्पादन एशिया में होता है। लगभग एक दशक से भारत का गेहूँ उत्पादन में चीन के बाद दूसरा स्थान है जिसके कारण भारत एक खाद्यान्न आत्म निर्भर देश हो गया है। वर्श 2011-12 के दौरान भारत में गेहूँ का उत्पादन 93.96 मिलियन टन था जो कि पूरे विश्व में गेहूँ उत्पादन का लगभग 15 प्रतिशत है। 1950-51 के दौरान 6.45 मिलियन टन की तुलना में वर्श 2012-12 के दौरान लगभग 15 गुणा उत्पादन बढ़ा है। यद्यपि इस गुणात्मक उत्पादन ने राश्टीय खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ता प्रदान की है। किन्तु उचित कटाई, तदुपरांत प्रबंधन एवं भण्डारण को लेकर चिंताएं भी पैदा की हैं।

फसल पकने के साथ ही कृशको की चिंताए समाप्त नहीं होती क्योंकि कटाई के दौरान दानों के झड़नें तथा चिड़ियों, कीटों द्वारा खेत एवं भण्डार में नुकसान की आशंका रहती है। दूसरी तरफ जल्दी कटाई से दानों में नमी अधिक होती है जिसमें कवकों की उत्पत्ति एवं खाद्य गुणवत्ता कम होने की संभावना रहती है। कटाई उपरांत नुकसान को उपलब्ध तकनीकों जैसे समय से कटाई, उचित मशीनों का प्रयोग, सुरक्षित भंडारण तथा कीटों से सुरक्षा के उपाय अपनाकर कम किया जा सकता है। लेकिन इसमें सबसे बड़ी बाधा कटाई उपरांत प्रबंधन एवं भण्डारण की जानकारी का अभाव है।

कटाई- गेहूँ का एक बड़े हिस्से की कटाई मानव द्वारा दरांती या एक विशेष प्रकार के चाकू से किया जाता है जिसमें सतह से 3-6 सें. मी. उपर से कटाई की जाती है। कटाई का समय एवं विधि कुल फसल उत्पादन के प्रमुख कारक है। कृषकों को कटाई के उपरांत दानों को उचित स्तर तक सुखाकर भण्डारण का समुचित ज्ञान है। इसमें काटे हुए गेहूँ के पौधों को छोटे-छोटे पुलिंदों में बांधकर खेत में 2-3 दिन तक सूखने के लिये छोड़ दिया जाता है। इसके विपरीत कम्बाईन या मषीन द्वारा कटाई करने से नमी वाले दानों को सुखाने का समय नहीं मिलता है। कटाई का उचित समय एक महत्वपूर्ण कारक है अतः उचित परिपक्वता समय का ध्यान रखना चाहिये जिससे दानों को झड़ने या गिरने से बचाया जा सके। विभिन्न किस्मों को अलग-अलग हिस्सों में रखना चाहिये जिससे किस्मों की शुध्दता बनी रहे। अत्यधिक एवं सीधे धूप में सुखाने से भी बचना चाहिये। इसके उपरांत दानों को साफ बोरों में भरना चाहिये जिससे भण्डारण एवं परिवहन में हानि को रोका जा सके।

कटाई उपरांत हानियाँ- गेहूँ में कुल उत्पादन का लगभग 8 प्रतिषत भाग कटाई उपरांत नष्ट हो जाता है जो मुख्यत- जीव-जन्तुओं द्वारा होता है। उचित तरीकों को अपनाकर इन हानियों को कम किया जा सकता है। जैसे कटाई के उपरांत दानों को तुरंत सुखाना, एक समान शुष्कता, उचित मड़ाई एवं अन्य विधियाँ, साफ-सफाई जिससे कीटों व चिड़ियों का आक्रमण रोका जा सके, अच्छी तरह साफ बोरों

से पुलींदा बनाना, वैज्ञानिक तरीकों तथा उचित नमी व कीट नियंत्रण विधियों को अपनाना, समुचित हवा का प्रबंधन तथा ढ़ेरियों को समयबध्द चरणों में हिलाना जिससे कीड़े न लगे इत्यादि। इन सब तरीको को अपनाकर प्रक्षेत्र एवं बाजार स्तर पर होने वाली हानियों को कम किया जा सकता है।

प्रसंस्करण- प्रारम्भिक प्रक्रम जैसे, भूसि निकालना, छिलका उतारना, सुखाना और सफाई करना गेहूँ की मूल्य वर्धन के साथ-साथ कटाई उपरांत प्रबंधन एवं भण्डारण के खर्च को कम करते है। गेहूँ को विभिन्न रूपों में उपयोग के लिये तैयार किया जाता है जैसे आटा, मैदा, सूजी, दलिया आदि। गेहूँ का आटा 5-10 अश्वशक्ति वाले मिलों में तैयार किया जाता है, जबकि मैदा एवं सूजी को रोलर मिल से बनाये जाते है जिसमें 13 प्रतिषत चोकर/भूसी एवं 3 प्रतिषत अंकुर सह-उत्पाद के रूप में प्राप्त होते है।

प्राचीन काल से ही गेहूँ के दानों को फर्ष पर पतली परत मे फैला कर धूप में सुखाने की प्रथा चली है जो आज भी बहुत लोकप्रीय है। गर्म हवाओं वाली मषीने जैसे- बिन ड्रायर, बैच ड्रायर, एवं सतत् प्रवाह ड्रायर भी गेहूँ को सुखाने के लिये तैयार की गई है। गेहूँ की अषुध्दियां जैसे- कंकड़, पत्थर, रेत, धूल, दूसरी फसलों से अलग करके गेहूँ को साफ किया जाता है तथा बाद में गेहूँ को धूल दिया जाता है। दानों की सफाई करने के बाद, ग्लूटेन का गुण सुरक्षित रखने के लिये एक उष्णजलिय उपचार देते है जिसमें नमी एवं ताप को साथ-साथ व्यवस्थित किया जाता है।

हमारे देश में लगभग 1100 बड़े मिल और 3 लाख छोटे आटा मिलें है जो गेहूँ को खाने योग्य उत्पादों में बदलते है। प्राथमिक प्रसंस्करण गेहूँ की खाने योग्य अवधि बढ़ाने, खराब होने से बचाने एवं मूल्य वर्धन करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। दो प्रकार के आधारीय मिल पारंपरागत तैर पे चालन में हैं। पेहले प्रकार मे पत्थर से पिसाया जाता है जिसमें पूरा गेहूँ चोकर/भूसी एवं अंकुर के सात पिसा जाता है दसरे प्रकार मे आधुनिक रोलर मिल से पिसाई की जाती है जिसमें अधिक मात्रा में आटा प्राप्त होता है और इसमे भूसी य जर्म नहीं पाया जाता है।

प्रसंस्करण के लिये मुख्यतः दो प्रकार की मिल प्रचलन में हैं। एक पारम्परिक पत्थरों से पिसाई जिसमें गेहूँ को छिलके सहित पिसा जाता है तथा दूसरा आधुनिक रोलर आटा मिल जिसमें आटे का मुख्य भाग दाने के भ्रु णपोश के बिना छिलकों एवं भूसी में प्राप्त होता है। पिसाई के बाद उत्पाद को जल सुरक्षित थैलो में भरकर ठण्डे एवं सूखे स्थान पर भण्डार करते है। उपभोक्ताओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ने से विभिन्न प्रकार के आटे, जैसे; चना, सोयाबीन आदि की गेहूँ की आटे के साथ मिलाकर पौश्टिक अवयवों को बढ़ाया जाता है। गेहूँ के आटे में कैल्शियम कार्बोनेट, विटामिन ए और डी, थियामिन, रिबोफलेविन इत्यादि।

पेटीएम ने IPO के तहत 2,150 रुपए प्रति शेयर का बिक्री मूल्य तय किया

नई दिल्ली: पेटीएम ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बिक्री मूल्य 2,150 रुपए प्रति शेयर तय किया है। डिजिटल भुगतान कंपनी पेटीएम द्वारा कंपनी पंजीयक के पास जमा कराए गए अंतिम दस्तावेजों के अनुसार वह 18 नवंबर को शेयर बाजार में अपने शेयरों को सूचीबद्ध कर सकती है। पेटीएम ने अपने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 2,080 से 2,150 रुपए प्रति शेयर तय किया था। मूल्य दायरे के ऊपरी स्तर पर कंपनी का मूल्यांकन 1.39 लाख करोड़ रुपए बैठता है। इसी के साथ पेटीएम का आईपीओ एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अबतक का सबसे बड़ा वित्तीय प्रौद्योगिकी आईपीओ बन गया है। वही वैश्विक स्तर पर स्पेन की कंपनी ऑलफंड्स के बाद यह वैश्विक स्तर पर इस वर्ष का दूसरा सबसे बड़ा वित्तीय प्रौद्योगिकी आईपीओ है।

आने वाले दिनों में अनिवार्य हो जाएंगे फ्लेक्स-फ्यूल इंजन, नितिन गडकरी का ऐलान

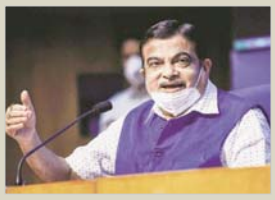

मुंबई: केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को वाहनों में इथेनॉल के उपयोग को अन्य ईंधन के मुकाबले एक लागत प्रभावी और प्रदूषण मुक्त विकल्प के रूप में उपयोग करने पर जोर दिया, और कहा कि आने वाले दिनों में 'फ्लेक्स-फ्यूल इंजन' अनिवार्य कर दिए जाएंगे। फ्लेक्स-फ्यूल या लचीला ईंधन- गैसोलीन, मेथनॉल या इथेनॉल के संयोजन से बना एक वैकल्पिक ईंधन है।

पेट्रोल पंपों को इथेनॉल पंपों से बदल सकते हैं

मुंबई में महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक के एक कार्यक्रम में बोलते हुए, गडकरी ने एक रूसी तकनीक का उल्लेख किया, जिसके माध्यम से पेट्रोल और इथेनॉल के 'कैलोरिफिक वैल्यू' को बराबर किया जा सकता है। यदि ऐसा होता है, तो सभी पेट्रोल पंपों को इथेनॉल पंपों से बदला जा सकता है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने पश्चिमी महाराष्ट्र का जिक्र करते हुए यह कहा, जो क्षेत्र एक प्रमुख गन्ना उत्पादक क्षेत्र है। गौरतलब है कि पुणे में पहले से ही तीन इथेनॉल पंप हैं। मंत्री ने राज्य सरकार से पश्चिमी महाराष्ट्र में 100 प्रतिशत इथेनॉल पर चलने वाले ऑटो-रिक्शा को अनुमति देने का आग्रह किया। विशेष रूप से, केंद्र सरकार ने बुधवार को वर्ष 2025 तक 20 प्रतिशत डोपिंग (पेट्रोल के साथ इथेनॉल का मिलावट स्तर) हासिल करने के अपने लक्ष्य के तहत दिसंबर से शुरू होने वाले विपणन वर्ष 2021-22 के लिए पेट्रोल में सम्मिश्रण के लिए गन्ने से निकाले गए इथेनॉल की कीमत में 1.47 रुपए प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी की।

फ्लेक्स इंजन बनेंगे अनिवार्य

पेट्रोल में एथेनॉल के अधिक सम्मिश्रण से भारत को अपने तेल आयात खर्च में कटौती करने में मदद मिलेगी और गन्ना किसानों के साथ-साथ चीनी मिलों को भी लाभ होगा। वाहन निर्माताओं किर्लोस्कर और टोयोटा के प्रतिनिधियों के साथ अपनी हालिया बैठक का जिक्र करते हुए, गडकरी ने कहा, ''उन्होंने फ्लेक्स (लचीले) इंजन वाली कारें तैयार की हैं। फ्लेक्स इंजन का मतलब है जिसमें 100 प्रतिशत पेट्रोल या इथेनॉल का उपयोग किया जा सके। इसे यूरो 6 मानदंडों के हिसाब से बनाया गया है। मैं फ्लेक्स इंजन को अनिवार्य बनाने जा रहा हूं।'' गडकरी ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, ''पेट्रोल का इस्तेमाल न करें, ईंधन की बढ़ती कीमतों पर आपको आंदोलन करने की जरूरत नहीं है (इथेनॉल की) कीमत 62 रुपए होगी और यह आयात का एक विकल्प होगा और यह लागत प्रभावी और प्रदूषण मुक्त है।'' हाल के दिनों में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिस पर विपक्षी दलों की कड़ी प्रतिक्रिया हुई है। वाहनों के लिए हरित प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर देते हुए, गडकरी ने कहा कि दिल्ली में एक हरे रंग की हाइड्रोजन कार का उपयोग किया जाएगा।

खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में मामूली बढ़कर 4.48 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली:

सरकारी आंकड़ों में शुक्रवार को बताया गया कि खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी के कारण खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में मामूली बढ़कर 4.48 प्रतिशत हो गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति सितंबर में 4.35 प्रतिशत और अक्टूबर, 2020 में 7.61 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार खाद्य मुद्रास्फीति अक्टूबर में बढ़कर 0.85 प्रतिशत हो गई, जो इससे पिछले महीने में 0.68 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति को चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य तय किया है, जिसमें ऊपर-नीचे दो प्रतिशत का विचलन हो सकता है। आरबीआई के अनुमानों के मुताबिक सीपीआई मुद्रास्फीति 2021-22 में 5.3 प्रतिशत के करीब रहेगी। इसके बाद वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान खुदरा मुद्रास्फीति के 5.2 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है।

औद्योगिक उत्पादन 3.1प्रतिशत बढ़ा

देश का औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) सितंबर में पिछले साल के समान महीने की तुलना में 3.1 प्रतिशत बढ़ा है। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर, 2021 में विनिर्माण क्षेत्र का उत्पादन 2.7 प्रतिशत बढ़ा। सितंबर में खनन क्षेत्र के उत्पादन में 8.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि बिजली क्षेत्र का उत्पादन 0.9 प्रतिशत बढ़ा। सितंबर, 2020 में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर एक प्रतिशत रही थी। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही अप्रैल-सितंबर में आईआईपी में 23.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में औद्योगिक उत्पादन 20.8 प्रतिशत बढ़ा था। पिछले साल मार्च में कोरोना वायरस महामारी की वजह से औद्योगिक उत्पादन में 18.7 प्रतिशत की गिरावट आई थी। महामारी की वजह से लगाए गए लॉकडाउन के चलते अप्रैल, 2020 में औद्योगिक उत्पादन 57.3 प्रतिशत घटा था।

सितंबर तिमाही में वोडाफोन आइडिया को 7,144.6 करोड़ रुपए का घाटा

नई दिल्ली: कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) को 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कुल 7,144.6 करोड़ रुपये का एकीकृत घाटा हुआ है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 7,218.2 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। जुलाई-सितंबर 2021 के दौरान कंपनी की कुल एकीकृत आय लगभग 13 प्रतिशत गिरकर 9,406.4 करोड़ रुपए रह गई, जबकि पिछले साल की इसी अवधि में यह 10,791.2 करोड़ रुपए थी। 30 सितंबर, 2021 तक वीआईएल पर कुल ऋण 1,94,780 करोड़ रुपए था। इसमें 1,08,610 करोड़ रुपए की स्थगित स्पेक्ट्रम भुगतान देनदारी, 63,400 करोड़ रुपये की समायोजित सकल राज्य (एजीआर) देनदारी के अलावा बैंकों और वित्तीय संस्थानों से लिया गया 22,770 करोड़ रुपए का कर्ज शामिल है।

देश में त्योहारी सीजन के दौरान 9.2 अरब डॉलर की ऑनलाइन बिक्री: रेडसीर

नई दिल्ली: देश में त्योहारी सीजन के दौरान ऑनलाइन मंचों पर 9.2 अरब डॉलर (करीब 65 हजार करोड़ रुपए) की बिक्री हुई, जो पिछले वर्ष के त्योहारी सीजन में हुई कुल ऑनलाइन बिक्री से 23 प्रतिशत अधिक है। सलाहकार कंपनी रेडसीर ने शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रेडसीर ने इस साल पूरे त्योहारी सीजन के दौरान ऑनलाइन मंचों से 9.6 अरब डॉलर का सकल माल मूल्य (जीएमवी) मिलने का अनुमात जताया है। इससे पिछले वर्ष यह 7.5 अरब डॉलर था। रेडसीर ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ''नए मॉडलों की पेशकश और आसान वित्त विकल्पों से मोबाईल ऑनलाइन मंचों पर इस बार भी सबसे अधिक बिकने वाली उत्पाद श्रेणी बनी रही। इस श्रेणी का कुल जीएमवी में एक तिहाई से अधिक का योगदान रहा।'' इसी तरह कोविड-19 के कारण लगाए गए लॉकडाउन के कई महीनों के बाद लोगों ने अब घरों से निकलना शुरू कर दिया है, जिससे फैशन श्रेणी में ऐसा सुधार पहले कभी नहीं देखा गया। वहीं दूसरी तरफ इस वर्ष घरेलू साज-सज्जा और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी श्रेणियों में धीमी वृद्धि देखी गई।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दिग्गज कंपनियों इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आये उछाल के साथ ही दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से भारतीय बाजार भी तेजी के साथ बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित सूचकांक सेंसेक्स 767 अंक की तेजी के साथ बंद हुआ, जबकि पचास शेयरों वाला निफ्टी 18,100 अंक के ऊपर चला गया। सेंसेक्स 767 अंक करीब 1.28 फीसदी बढ़कर 60,686.69 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 229.15 अंक तकरीबन 1.28 फीसदी बढ़कर 18,102.75 पर पहुंच गया। सेंसेक्स में सबसे अधिक चार फीसदी की तेजी टेक महिंद्रा के शेयरों में रही। इसके अलावा एचडीएफसी, इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स और बजाज फाइनेंस के शेयर भी बढ़त दर्ज करने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल रहे थे। वहीं दूसरी ओर बजाज ऑटो, टाटा स्टील और एक्सिस बैंक के शेयर नीचे आये हैं। बाजार जानकारों के अनुसार निवेशकों ने अपना ध्यान अच्छे तिमाही के परिणामों , आर्थिक सुधार और मजबूत घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर केंद्रित करना शुरू कर दिया है, जिसके कारण बाजार ने इस सप्ताह के दौरान तेजी को फिर से हासिल कर लिया है।

ज़ी एंटरटेनमेंट को सितंबर तिमाही में 266.08 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ

नयी दिल्ली. ज़ी एंटरटेनमेंट इंटरप्राइजेज लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बढ़कर 266.08 करोड़ रुपये हो गया। ज़ी एंटरटेनमेंट ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के दौरान उसका शुद्ध लाभ 93.41 करोड़ रुपये था। कंपनी की जुलाई-सितंबर, 2021 तिमाही में कुल आय बढ़कर 2,010.47 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले की इसी तिमाही के दौरान 1,760.61 करोड़ रुपये थी। कंपनी की जुलाई-सितंबर, 2021 तिमाही में विज्ञापन से आय बढ़कर 1,089.29 करोड़ रुपये हो गई। यह एक साल पहले की इसी अवधि में 902.79 करोड़ रुपये थी। ज़ी एंटरटेनमेंट ने एक बयान में कहा कि कोविड-19 से प्रभावित आर्थिक गतिविधियों के कारण आलोच्य तिमाही के परिणाम की अन्य तिमाहियों के नतीजों से तुलना नहीं की जायेगी।

सस्ते स्टील से चीन में हड़कंप, मिलों ने उत्पादन घटाया

बिजनेस डेस्क:

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में स्टील की कम होती मांग के बीच चीन की मिलों ने स्टील के उत्पादन में कटौती कर दी है। नवम्बर महीने के पहले 10 दिन में चीन की 247 फर्नेस मिलों ने प्रतिदिन 2.48 मिलियन टन स्टील का उत्पादन किया है और यह अक्तूबर महीने के मुकाबले भी 3.6 प्रतिशत कम है। चीन में स्टील उत्पादन 20 महीने के न्यूनतम स्तर पर आ गया है। दरअसल मिलों को अब स्टील का ज्यादा उत्पादन फायदे का सौदा नहीं लग रहा क्योंकि सरकार की सख्ती के कारण चीन में स्टील की कीमतें लगातार कम हो रही हैं और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भी स्टील की मांग फिलहाल कम है। लिहाजा मिलों ने उत्पादन में कमी करने का फैसला किया है। चीनी सरकार द्वारा पर्यावरण संबंधी अपनी चिंताओं को देखते हुए उत्तरी चीन की कई मिलों पर सख्ती भी की गई है। इसका भी उत्पादन पर असर देखने को मिल रहा है।

इंडस्ट्री में हाहाकार, मिलों ने स्टील की डिलीवरी देने से किया इंकार

चीन की सरकार द्वारा देश में स्टील की कीमतों पर काबू पाने के लिए लगाई गई पाबंदियों के नतीजे अब सामने आने शुरू हो गए हैं। सरकारी प्रभाव से आयरन ओर व कोक की कीमतों में भारी गिरावट आई है जिससे कंपनियों का इनपुट कास्ट तो कम हुआ है लेकिन तैयार प्रोडक्ट की कीमतें भी कमोडिटी एक्सचेंज पर औंधे मुंह गिर गई हैं। चीन में एक्सचेंज की स्टील कीमतों और बाजार की असल स्टील कीमतों में भारी अंतर होने के कारण उत्तरी चीन की कुछ मिलों ने शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में हुए स्टील के जनवरी के सौदों की डिलीवरी देने से इंकार कर दिया है। शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में जनवरी महीने के रैबर के फीचर सौदे 664 डॉलर प्रति टन के आस-पास हैं और यह पिछले महीने के मुकाबले 27 फीसदी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। लिहाजा मिलों के लिए एक्सचेंज को डिलीवरी दे पाना आसान नहीं रह गया है क्योंकि एक्सचेंज के मुकाबले बाजार की कीमतें काफी ज्यादा हैं।

भारत में सस्ता हो सकता है स्टील

देश में स्टील की कीमतों में आने वाले दिनों में गिरावट देखने को मिल सकती है। ऐसा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में स्टील की बढ़ती कीमतों के कारण संभव है। दरअसल इस सप्ताह इंडिया के हॉट रोड कोइल इंडैक्स 2 डालर प्रति टन गिरा है। इस बीच जॉइंट प्लांट कमेटी की रिपोर्ट के मुताबिक अक्तूबर महीने में भारत ने 1.055 मिलियन टन स्टील का निर्यात किया है और यह पिछले साल अक्तूबर महीने के मुकाबले 22 प्रतिशत कम है। निर्यात में

यह गिरावट अंतर्राष्ट्रीय बाजार में स्टील की मांग में कमी के कारण आई है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में स्टील की कीमतें कम होने के कारण अब मिलों को यह स्टील घरेलू बाजार में बेचना पड़ सकता है जिससे मांग की बजाए आपूर्ति बढ़ने के कारण स्टील की कीमतों में गिरावट की संभावना जताई जा रही है।

चीन की फर्नेस मिलों का मुनाफा गिरा

चीन में स्टील की कीमतों में भारी गिरावट का असर देश की फर्नेस मिलों के मुनाफे पर पड़ा है। अक्तूबर महीने में चीन की 91 फर्नेस मिलों के मुनाफे में भारी गिरावट दर्ज की गई है। दरअसल अक्तूबर महीने में आयरन ओर के अलावा कोक की कीमतों में भी काफी तेजी थी। लिहाजा इससे स्टील मिलों की लागत में काफी इजाफा हो गया लेकिन मांग में कमी और चीन की सख्ती के कारण स्टील की कीमतों में गिरावट आ गई और इससे मिलों के मुनाफे पर भारी प्रभाव पड़ा है।

सेमीकंडक्टर की कमी से अक्टूबर में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में 27% की गिरावट

नई दिल्ली:

उद्योग निकाय सियाम ने शुक्रवार को बताया कि वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर की कमी से यात्री वाहनों की थोक बिक्री अक्टूबर, 2021 में 27 प्रतिशत घटकर 2,26,353 इकाई रह गई। इससे पिछले साल अक्टूबर में 3,10,694 इकाइयों की थोक बिक्री हुई थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की तरफ से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में कुल 1,60,070 दोपहिया वाहन डीलरों तक पहुंचाए जा सके। एक साल पहले की समान अवधि में यह संख्या 20,53,814 थी। इसी तरह मोटरसाइकल की आपूर्ति में भी 26 फीसदी गिरावट आई और कुल 10,17,874 वाहन देशभर में डीलर के पास भेजे जा सके। अक्टूबर, 2020 में यह संख्या 13,82,749 थी। सियाम ने बताया कि पिछले महीने स्कूटर की बिक्री भी 21 प्रतिशत घटकर 4,67,161 इकाई रही, जो एक साल पहले के इसी महीने में 5,90,507 इकाई की थी। उद्योग निकाय के अनुसार पिछले महीने यात्री वाहनों, तिपहिया, दोपहिया और क्वाड्रिसाइकिल वाहनों का

कुल उत्पादन 22,14,745 इकाई का रहा, जो पिछले वर्ष अक्टूबर में हुए 28,30,844 इकाई के उत्पादन से 22 प्रतिशत कम है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, ''वाहन निर्माता चालू वित्त वर्ष के शुरुआत में हुई कम बिक्री से उबरने के लिए त्योहारी सीजन के दौरान मजबूत बिक्री की उम्मीद लगा रहे थे। सेमीकंडक्टर की कमी और कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि से हालांकि उद्योग की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।''

अडाणी समूह अक्षय ऊर्जा, सस्ते हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए 70 अरब डॉलर का निवेश करेगा

नई दिल्ली:

अरबपति कारोबारी गौतम अडाणी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनका समूह दुनिया की सबसे बड़ी अक्षय ऊर्जा कंपनी बनने और विश्व में सबसे सस्ता हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए अगले दशक के दौरान 70 अरब डॉलर का निवेश करेगा। दुनिया की सबसे बड़ी सौर ऊर्जा कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने 2030 तक 45 हजार मेगावाट अक्षय ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। कंपनी 2022-23 तक प्रति वर्ष दो हजार मेगावाट सौर निर्माण क्षमता विकसित करने के लिए 20 अरब डॉलर का निवेश भी करेगी। ब्लूमबर्ग इंडिया इकोनॉमिक फोरम में बोलते हुए अडाणी समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष गौतम अडाणी ने कहा कि समूह अक्षय ऊर्जा को जीवाश्म ईंधन के बदले एक उपयोगी और किफायती विकल्प बनाने पर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, ÷वर्ष 2030 तक हम दुनिया की सबसे बड़ी अक्षय ऊर्जा कंपनी बनने की उम्मीद कर रहे है। इसे पूरा करने के लिए हम अगले एक दशक के दौरान 70 अरब डॉलर खर्च करेंगे। ऐसी कोई दूसरी कंपनी नहीं है, जिसने अभी तक संवहनीय बुनियादी ढांचे के विकास पर इतना बड़ा दांव लगाया हो। अडाणी ने कहा, ÷हम दुनिया में सबसे कम लागत वाले हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए बेहद मजबूत स्थिति में हैं, जो एक ऊर्जा स्रोत हो सकता है और कई उद्योगों के लिए कच्चा माल बन सकता है।

भारतीय बाजार में वापसी कर रही है Aiwa , पांच साल में 7,500 करोड़ रुपए के कारोबार

नई दिल्ली:

जापान की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी आइवा भारतीय बाजार में वापसी कर रही रही है। कंपनी ने भारत में नए सिरे से अपने उत्पाद पेश करने की योजना बनाई है। कंपनी शुरुआत में भारतीय बाजार में ऑडियो उपकरण और घरेलू इस्तेमाल के उपकरण (होम अप्लायंसेज) पेश करेगी। इसके अलावा कंपनी देश में विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए जगह की तलाश कर रही है। आइवा इंडिया के प्रबंध निदेशक अजय मेहता ने कहा, 'हम सबसे पहले ऑडियो उत्पाद पेश कर रहे हैं। हमने पांच अक्टूबर को ऑडियो उत्पाद पेश किए हैं। इसके तहत प्रीमियम स्पीकर उतारे गए हैं जिनकी कीमत 16,000 से 60,000 रुपए के बीच है। धीरे-धीरे हम अन्य श्रेणियों में भी अपने उत्पाद उतारेंगे।' मेहता ने बताया कि कंपनी बिजली से चलने वाले कई उत्पाद पेश करेगी और साथ ही टेलीविजन, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर जैसे घरेलू इस्तेमाल के कई उपकरणों का भारत में विनिर्माण करेगी। उन्होंने कंपनी के लक्ष्य को लेकर कहा, 'हमारा इरादा अगले पांच साल में एक अरब डॉलर (लगभग 7,500 करोड़ रुपए) का कारोबार हासिल करने का है।' उन्होंने बताया कि कंपनी अपने उत्पादों का विस्तार करने के अलावा अपनी टीम को भी मजबूत करेगी। मेहता ने कहा, ''2022 तक पूरे देश में आइवा की टीम में 70-100 लोग शामिल हो सकते हैं। मेहता ने कहा, 'विनिर्माण संयंत्रों के लिए हम जगह की तलाश कर रहे हैं। हमारी कई स्थानों पर जगह के लिए बातचीत चल रही है। कंपनी देश में नए सिरे से खुद को पेश करेगी और उत्पाद पेश करने के साथ खुद को स्थापित करने की कोशिश करेगी।'आइवा भारतीय बाजार में आइवा इंडिया सेल्स एंड सर्विसेज प्राइवेट लि. के नाम से परिचालन कर रही है।

DoT ने गुजरात में लिया वोडाफोन आइडिया और जियो के 5जी परीक्षणों का जायजा

बिजनेस डेस्क:

दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने गुजरात में वोडाफोन आइडिया और जियो द्वारा किए जा रहे 5जी के परीक्षणों का जायजा लिया है। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने गुजरात में 5जी के परीक्षण के लिए इसी वर्ष 27 मई को लाइसेंस और स्पेक्ट्रम आवंटित किया था। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार अधिकारियों की टीमों ने परीक्षण स्थलों का दौरा कर परिणाम की जानकारी ली।

वोडाफोन आइडिया लिमिटेड को गांधीनगर (शहरी के लिए), मनसा (अर्ध शहरी के लिए) और उनावा (ग्रामीण के लिए) में स्पेक्ट्रम आवंटित किया गया है। कंपनी उपकरण आपूर्तिकर्ता के रूप में नोकिया के साथ मिल कर परीक्षण कर रही है । इसी तरह जामनगर (अर्ध शहरी/ग्रामीण) में रिलायंस जियो इन्फोकॉम को उपकरण आपूर्तिकर्ता सैमसंग के साथ मिल कर परीक्षण के लिए स्पेक्ट्रम और लाइसेंस दिया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार दूरसंचार विभाग के तहत 5जी के लिए गुजरात एलएसए (लाइसेंस सर्विस एरिया) की संचालन समिति में विभाग के निदेशक सुमित मिश्रा के नेतृत्व में अधिकारियों ने गुरुवार को वोडाफोन आइडिया लिमिटेड और नोकिया की तकनीकी टीम के साथ गांधीनगर में परीक्षण स्थलों का दौरा किया। वहां महात्मा मंदिर स्थित 5जी साइट पर डेटा स्पीड की जांच की गयी, जो करीब 1.5 जीबीपीएस - 4जी से लगभग 100 गुना तेज पाई गई। स्पीड का परीक्षण टेस्ट नॉन-स्टैंडअलोन 5जी मोड पर किया गया।

भारत /न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज से रोहित शर्मा बाहर? विराट की जगह अजिंक्य रहाणे को सौंपी गयी कप्तानी की कमान

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत के नवनियुक्त टी 20 कप्तान रोहित शर्मा को न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज से आराम दिया गया है। वह भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। विराट कोहली अभी भी वनडे और टेस्ट मैच के कप्तान है लेकिन टेस्ट सीरीज के दौरान उन्हें भी कप्तानी से हटाकर टीम से बाहर रखा गया है। विराट कोहली लगातार चल रहे मैचों के कारण ÷मानसिक और शारीरिक रूप से थके हुए। भारतीय खिलाड़ी एक के बाद लगातार एक सीरीज के लिए खेल रही है। आईपीएल मैच के बाद टी20 विश्व कप और इसके बाद भारत-न्यूजीलैंड के बीच टी20 मुकाबला, पिछले 4 महीनों से लगातार मैच चल रहे हैं। खिलाड़ियों की थकान का असर विश्व कप में दिखायी पड़ा जहा भारत सेमीफाइनल में अपनी जगह नहीं बना पाया। रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनों को ही टेस्ट सीरीज से आराम दिया गया है। उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे कानपुर में शुरुआती टेस्ट में टीम की कप्तानी करेंगे क्योंकि विराट कोहली ने अपने ब्रिक को आगे बढ़ा दिया है। विराट कोहली जयपुर में 17 नवंबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज का भी हिस्सा नहीं है। बीसीसीआई के एक विश्वसनीय सूत्र से पता चला है कि गुरुवार को चयन समिति की बैठक के बाद टीम को अंतिम रूप दे दिया गया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफटेस्ट मैच सीरीज से रोहित शर्मा बाहर

भारत के नव नियुक्त टी20 कप्तान रोहित शर्मा को न्यूजीलैंड के खिलाफदो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में आराम दिया जायेगा जबकि विराट कोहली शुरूआती मैच में नहीं खेलेंगे जिससे 'मानसिक और शारीरिक रूप से थकी' टीम इंडिया घरेलू श्रृंखला में कार्यभार प्रबंधन के कारण थोड़ी कमजोर दिखेगी।

अजिंक्य रहाणे को सौंपी गयी टेस्ट टीम की कप्तानी

उप कप्तान अजिंक्य रहाणे कानपुर में शुरूआती टेस्ट में टीम की अगुआई करेंगे क्योंकि कोहली ने 17 नवंबर से जयपुर में शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 श्रृंखला से बाहर रहने के बाद अपना अवकाश बढ़ा दिया है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के विश्वस्त सूत्र के अनुसार गुरूवार को चयन समिति की एक बैठक के बाद टीम को अंतिम रूप दिया गया लेकिन आधिकारिक घोषणा का अब भी इंतजार है।

कानपुर में खेली जाएगी न्यूजीलैंड और भारत के बीच टेस्ट सीरीज

कानपुर और मुंबई में होने वाले दोनों टेस्ट से बाहर रहने वाले अन्य बड़े खिलाड़ी विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत तथा जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी की तेज गेंदबाजी जोड़ी है। टी20 श्रृंखला में टीम की अगुआई करने के बाद रोहित यह ब्रेक लेंगे। टेस्ट मैच कानपुर में 25 नवंबर से शुरू होगा। कोहली मुंबई में तीन दिसंबर से शुरू होने वाले टेस्ट के लिये वापसी करेंगे।

बायो बबल के कारण थकान में है खिलाड़ी

भारतीय टेस्ट और वनडे कप्तान कई बार 'बायो-बबल' थकान के बारे में बात कर चुके हैं कि इससे खिलाड़ियों को मानसिक रूप से कितनी परेशानी हो रही है। पंत की अनुपस्थिति में ऋद्धिमान साहा विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे जबकि केएस भरत श्रृंखला के लिये दूसरे विकेटकीपर होंगे।

न्यूजीलैंड के खिलाफटेस्ट सीरीज में ग्रुप बी के खिलाड़ियों का खिलाने की संभावना

आंध्र प्रदेश के 28 वर्षीय भरत इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिये खेले हैं। वह इस साल इंग्लैंड के खिलाफखेली गयी घरेलू टेस्ट श्रृंखला के लिये पांच स्टैंडबाई खिलाड़ियों में शामिल थे। टीम में हनुमा विहारी, चेतेश्वर पुजारा और मयंक अग्रवाल शामिल हैं। वहीं नया सहयोगी स्टाफ भी टीम से जुड़ेगा। उम्मीद के अनुरूप पारस म्हाम्ब्रे नये गेंदबाजी कोच के तौर पर भरत अरूण की जगह लेंगे जिनका कार्यकाल टी20 विश्व कप में भारत का अभियान समाप्त होने के साथ खत्म हो गया था।

राहुल द्रविड़ देंगे टीम इंडिया को कोचिंग?

अरूण और मुख्य कोच रवि शास्त्री का कार्यकाल नामीबिया के खिलाफटीम के अंतिम रूप चरण मैच के साथ ही समाप्त हो गया था। म्हाम्ब्रे नये मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के करीबी हैं और इस साल जुलाई में श्रीलंका के भारत दौरे के दौरान सहयोगी स्टाफ का हिस्सा थे जिसमें द्रविड़ मुख्य कोच थे। विक्रम राठौड़ ने अपना बल्लेबाजी कोच के तौर पर स्थान बरकरार रखा है क्योंकि उन्होंने इस पद के लिये आवेदन किया था जबकि टी दिलीप नये क्षेत्ररक्षण कोच होंगे।

माना जाता है कि द्रविड़ क्षेत्ररक्षण कोच के तौर पर अभय शर्मा को चाहते थे लेकिन क्रिकेट सलाहकार समिति ने दिलीप को चुना जो श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के साथ गये थे।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगले साल विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड का दौरा करेगी

वैलिंगटन। (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम 2022 में होने वाले विश्व कप की तैयारियों के अंतर्गत न्यूजीलैंड में अगले साल पांच वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। छह मैचों की श्रृंखला नौ फरवरी को एकमात्र टी20 मैच के साथ शुरू होगी और 24 फरवरी को समाप्त होगी। विश्व कप न्यूजीलैंड में मार्च-अप्रैल में कराया जायेगा जिसे कोविड-19 महामारी के कारण एक साल के लिये स्थगित कर दिया गया था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने शुक्रवार को घोषणा की, '' 'वाइट फर्न्स' (न्यूजीलैंड महिला टीम) आगामी विश्व कप (न्यूजीलैंड 22 साल में पहली बार इसकी मेजबानी कर रहा है) की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिये भारत से छह मैचों की श्रृंखला खेलेगी जिसमें एक टी20 मैच और पांच वनडे शामिल होंगे। '' भारत का अंतिम अंतरराष्ट्रीय दौरा इस साल सितंबर-अक्टूबर में आस्ट्रेलिया का रहा था जिसमें एक गुलाबी गेंद का टेस्ट भी शामिल था। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी डेविड वाइट ने एक बयान में कहा, ''भारतीय टीम के खिलाफ श्रृंखला 'वाइट फर्न्स' की विश्व कप तैयारियों का अहम हिस्सा है।

टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में एरास्मस और केटलबोरो होंगे फील्ड अंपायर

दुबई। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में एरास्मस और केटलबोरो को फील्ड अंपायर के लिए चुना गया है। इसकी घोषणा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को की। एरास्मस और केटलबोरो आईसीसी टी20 वर्ल्ड के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच दुबई इंटरनेशलन किक्रेट स्टेडियम में अंपायरिंग करते नजर आएंगे। नितिन मेनन मैच के टीवी अंपायर होंगे जबकि कुमार धर्मसेना चौथे अंपायर होंगे। मैदान पर मैच रेफरी के रूप रंजन मदुगले नजर आएंगे। अबू धाबी में पहले सेमीफाइनल के दौरान इरास्मस और धर्मसेना ने ऑन-फील्ड अंपायर के रूप में अपनी भूमिका निभाई थी, जहां न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर मेगा इवेंट के फाइनल में प्रवेश किया था। दूसरी तरफ, दुबई में दूसरे सेमीफाइनल में केटलबोरो और क्रिस गैफनी के साथ ऑन-फील्ड अंपायर थे, जहां ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

बाबर ने टी20आई में सबसे तेज 2500 रन बनाने वाले विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा

दुबई। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने गुरुवार को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी टीम के सेमीफाइनल मैच के दौरान टी20आई में सबसे तेज 2500 रन बनाने वाले विराट कोहली के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। भारत के कप्तान कोहली ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 2500 रन के आंकड़े को तोड़ने के लिए 68 पारियां लीं, जबकि आजम ने 62 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। 34 गेंदों में 39 रन बनाने वाले आजम ने पहले टी20 विश्व कप में 303 के साथ सबसे अधिक रन बनाए, जो उन्हें टी20 विश्व कप 2021 में 300 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज हैं। इस बीच, बाबर के साथी मोहम्मद रिजवान भी खेल के इतिहास में एक कैलेंडर वर्ष में टी20आई के दौरान 1000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने। अपने 67 रन के रास्ते में उन्होंने इंग्लैंड के जोस बटलर द्वारा पुरुषों के टी20 विश्व कप में एक कीपर द्वारा सबसे अधिक रन बनाने के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। इस साल के संस्करण में 2010 से क्रेग कीस्वेटर के रिकॉर्ड को तोड़ने वाले बटलर ने सेमीफाइनल में मंगलवार को इंग्लैंड से बाहर होने से पहले 269 रन बनाए थे। रिजवान के अब 281 रन हो गए हैं और वह इस साल के टी20 विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाने वाले अपने साथी सलामी बल्लेबाज आजम से पीछे हैं।

11 साल पहले हसी ने पाकिस्तान को चटाई थी धूल

दुबई। मार्कस स्टोइनिस-मैथ्यू वेड की बल्लेबाजी ने गुरुवार आईसीसी टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ माइकल हसी की यादें ताजा कर दीं, जिन्होंने साल 2010 के टी20 विश्व कप में कंगारूओं के लिए एक ही ओवर में तीन छक्के मारकर मैच पलट कर रख दिया था। वेस्टइंडीज में 2010 में सेमीफाइनल के दौरान ग्रोस आइलेट में खेले गए मैच में माइकल हसी ने छह छक्कों की मदद से 24 गेंदों में नाबाद 60 रन बनाकर, पाकिस्तान द्वारा दिए गए 191 रनों के लक्ष्य को पूरा किया था। उनके प्रदर्शन की वजह से कंगारूओं की तीन विकेट से जीत हुई थी। इस मैच में पाकिस्तान 18वें ओवर तक ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल जाता दिखाई दे रहा था। लेकिन, हसी ने एक असंभव पारी खेल पाकिस्तान के हाथों से जीत छीन ली थी। उस समय हसी को सफेद गेंद का सबसे अच्छा फिनिशर माना जाता था। अगर कोई इस तरह के खेल को पलटने में सक्षम था तो वे हसी ही थे। सईद अजमल की गेंद पर उनके तीन छक्कों की बराबरी दुबई में मैथ्यू वेड से की गई, जिन्होंने शाहीन शाह अफरीदी की गेंद पर लगातार तीन छक्के मारकर 177 रन का पीछा किया। गुरुवार को वेड की तुलना हसी से की गई। उन्होंने टी20 में इससे पहले 30 का आंकड़ा भी पार नहीं किया था और जब वह ओपनिंग करने आते थे। लेकिन उन्होंने 41 नाबाद रन बनाए। वास्तव में उनके साथी मार्कस स्टोइनिस जो ज्यादा इस मैच को जीताने में सक्षम दिख रहे थे। उन्होंने 17वें ओवर में हारिस रऊफ को एक छक्का और एक चौका मारकर 13 रन बनाए दिए थे, जिससे कंगारूओं को मैच में मजबूती मिली थी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार पारी खेलने से पहले आईसीयू में भर्ती थे रिजवान

दुबई। पाकिस्तान का सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान गुरुवार को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप के दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए मैच में हीरो रहे। उन्होंने 52 गेंदों पर 67 रनों की शानदार पारी खेली। हालांकि, इतनी कोशिश भी काम न आई और पाकिस्तान को कंगारूओं के हाथों 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कई लोगों को पता नहीं था कि टूर्नामेंट के शानदार फॉर्म में रहे रिजवान 9 नवंबर को सीने में संक्रमण के कारण आईसीयू में दो दिन तक भर्ती थे। इसके बावजूद, टीम के लिए वह जल्द ठीक हो गए और टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा सेमीफाइनल मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया। रिजवान के बारे में पूछे जाने पर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा, सलामी बल्लेबाज ने जिस तरह से खेल दिखाया है, उससे पता चलता है कि वह एक टीम मैन है। उन्होंने बताया, सही मायने में वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। उन्होंने पूरे वर्ल्ड के दौरान असाधारण प्रदर्शन किया। जब मैंने उसे देखा, तो ठीक नहीं लग रहे थे। लेकिन, जब मैंने उनसे स्वास्थ्य के बारे में पूछा तो उसने कहा कि मैं ठीक हूं और खेलूंगा। इसके बाद जिस तरह उन्होंने प्रदर्शन किया, उसे लगता है कि वह एक टीम मैन है। इस बारे में कप्तान बाबर ने टीम के डॉक्टर नजीब सोमरू से रिजवान की स्थिति के बारे में बताने को कहा। सोमरू के मुताबकि, रिजवान को 9 नवंबर को सीने में संक्रमण हो गया था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां वह दो रातें आईसीयू में भर्ती थे। इसके बाद, उन्होंने अविश्वसनीय रूप से रिकवरी की और मैच से पहले खेलने के लिए फिट हो गए। यह उनके महान दृढ़ संकल्प और देश के लिए प्रदर्शन करने की भावना को दशार्ता है। फिर हम देख सकते हैं कि उन्होंने कैसा प्रदर्शन किया। सोमरू ने कहा कि टीम प्रबंधन ने रिजवान के स्वास्थ्य की सूचना को गुप्त रखा, जिससे टीम का मनोबल न गिरे, क्योंकि टूर्नामेंट में टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए सभी मैच जीत रही थी। उनके स्वास्थ्य को लेकर सोमरू ने आगे जानकारी दी कि उनके स्वास्थ्य को गुप्त रखने का निर्णय पूरी टीम प्रबंधन द्वारा लिया गया था और यह टीम के मनोबल को हाई रखने के लिए किया गया था। गौरतलब है कि पाकिस्तान का सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान टूर्नामेंट के छह मैचों में 281 रन बनाए, जिसमें उन्होंने तीन अर्धशतक लगाए। इस मेगा इवेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ 79 की नाबाद रहा जो उन्होंने भारत के खिलाफ बनाए थे।

कोहली ने काफी कुछ हासिल कर लिया है, लेकिन बाबर की काबिलियत भी किसी से कम नहीं: हेडन

कराची। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी सलाहकार मैथ्यू हेडन को इसमें कोई शक नहीं कि विराट कोहली ने अभी तक युवा बाबर आजम से कहीं ज्यादा उपलब्धियां हासिल कर ली हैं लेकिन जब 'गेंद पर निरंतर प्रतिक्रिया' की बात आती है तो पाकिस्तानी कप्तान भी किसी से कम नहीं हैं। दुबई से पाकिस्तानी पत्रकारों से बातचीत के दौरान हेडन ने कहा कि बल्लेबाजी की शानदार क्षमता को देखते हुए बाबर और कोहली के बीच तुलना की उम्मीद थी क्योंकि दोनों कप्तान हैं। हेडन को हालांकि लगता है कि बाबर भारतीय कप्तान कोहली के जितने तेज तर्रार नहीं हैं।

उन्होंने कहा, ''बाबर और उनका व्यक्तित्व देखो तो आपको उनकी बल्लेबाजी भी ऐसी ही (उनके व्यक्तित्व जैसी) दिखती है। वह काफी निरंतर हैं। वह काफी स्थायी हैं। लेकिन वह ज्यादा आक्रामक नहीं हैं।'' हेडन ने कहा, ''मैं जिस तरह से देखता हूं, वे एक दूसरे के विपरीत हैं। बाबर ज्यादातर समय काफी संयमित दिखते हैं और बारीकी से कप्तानी और बल्लेबाजी करते हैं जबकि कोहली काफी जुनूनी हैं और खुद को भाव भंगिमाओं से बया करते हैं और मैदान पर काफी ऊर्जावान रहते हैं।''

आस्ट्रेलिया के महान सलामी बल्लेबाजों में शुमार हेडन ने कहा कि कोहली ने विश्व स्तरीय बल्लेबाज के तौर पर काफी कुछ हासिल कर लिया है और सभी प्रारूपों में काफी विशिष्टता से भारतीय टीम की अगुआई की है। हेडन ने कहा, ''बाबर बतौर कप्तान अब भी युवा हैं लेकिन मैंने जो कुछ देखा है वह प्रत्येक दिन सीख रहा है और वह काफी तेजी से सीखता भी है।

टी20 वर्ल्ड कप: 14 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच होगा खिताबी मुकाबला

दुबई। (एजेंसी)।

25 दिनों तक चले सांस रोक देने वाले मुकाबलों के बाद टी20 वर्ल्ड कप की दो फाइनलिस्ट टीम मिल गई हैं। अब फाइनल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। न्यूजीलैंड लगातार आईसीसी के तीनों प्रारूप के फाइनल में जगह बनाने में सफल रहा है। इस साल की शुरुआत में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का खिताब जीता और 2019 क्रिकेट विश्व कप में उपविजेता रहे। वहीं, 2015 में भी उपविजेता रहे, यानी लगातार तीन विश्व कप के फाइनल में खेलने वाली टीम बनी है। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। जीत के लिए 177 रनों का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम एक ओवर शेष रहते ही 19वें ओवर में ही 177 बना दिए। एक समय मुश्किल में दिख रही टीम की नैया मैथ्यू वेड ने पार लगाई, क्योंकि उन्होंने शाहीन अफरीदी के एक ही ओवर में तीन छक्के मारकर मैच को खत्म कर दिया।

वह हमेशा कहता है, पापा मैं भारत के लिए खेलना चाहता हूं: उमरान मलिक के पिता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज उमरान मलिक ने आईपीएल में हैदराबाद सनराइजर की तरफ से खेलते हुए सनसनी फैला दी थी। 21 साल के युवा गेंदबाज ने आईपीएल के दौरान 150 किमी प्रति घंटे से गेंदबाजी की थी। जिसके कारण उन्हें आईसीसी टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के साथ नेट अभ्यास के लिए भी चुना गया था। इसके अलावा, मलिक को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ चार दिवसीय सीरीज के लिए भारत की टीम ए में शामिल किया गया है।

मलिक की इन उपलब्धियों ने उनके पिता अब्दुल राशिद को बेहद खुशी दी है। इस बीच, राशिद ने शुक्रवार को फोन पर बातचीत में आईएएनएस से कहा, वह मुझसे कहता है, पापा मैं भारत के लिए खेलना चाहता हूं। हमारी दुआएं हमेशा उनके साथ रही हैं। हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि हमारा बच्चा एक दिन भारत के लिए खेले। अब उनका नाम भारत की टीम ए में आ गया है। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में उनका नाम भारतीय टीम में भी आ जाएगा। उन्होंने बताया, वह हमारा बच्चा नहीं है, वह राष्ट्र का बच्चा है। अब हमारी एकमात्र इच्छा उसे अच्छा खेलते हुए देखने की है, जिससे देश गौरवान्वित हो।

राशिद ने कहा, हम बेहद खुश हैं। पूरा जम्मू-कश्मीर और भारत इस बच्चे के लिए खुश है। पूरा देश उसकी प्रशंसा कर रहा है। क्योंकि उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की है। आईपीएल में तेज गेंदबाज टी नटराजन की कोविड-19 पॉजिटिव रिपोर्ट आने के बाद मलिक को सनराइजर में जगह दी गई थी। इसके बाद, उन्होंने आईपीएल में अपनी गति से सबको हैरान करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस बीच, भारतीय कप्तान विराट कोहली सहित कई क्रिकेटरों का ध्यान उनकी ओर गया था। राशिद ने अपने बेटे की गति का श्रेय ईश्वर को दिया है, जिसे मलिक ने आईपीएल 2021 की शीर्ष दस सबसे तेज गेंदों में अपना नाम दर्ज किया था। उन्होंने अधिकतम 152.95 किलोमीटर प्रति घंटे की गेंद डालकर गेंदबाजों में दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने कहा, मलिक ने कहीं से कुछ नहीं सीखा। वह उनकी अपनी ताकत है जो वह क्रिकेट अकादमी के साथ-साथ कॉलेज में भी जाकर अभ्यास करते थे। भगवान ने उन्हें अच्छी गेंदबाजी करने की ताकत दी है।

उन्होंने कहा, उनमें काफी दम है और वह पूरे दिन क्रिकेट खेलते थे। वह सुबह 10 बजे निकल जाते थे और शाम 7 बजे वापस आते थे। अभ्यास के लिए निकलते समय वह अपने साथ 3-4 बोतल पानी की ले जाते थे। वह कहते थे कि पापा मुझे अभ्यास के लिए जाना है।

मलिक जम्मू के गुज्जर नगर के एक साधारण परिवार से आते हैं। फल बेचने वाले राशिद का कहना है कि उनका परिवार हमेशा उनके बेटे को क्रिकेट खेलने के लिए समर्थन करता है। वह तीन-चार साल का था जबसे उसकी क्रिकेट में रूचि थी। हमने उसे क्रिकेट खेलने से कभी नहीं रोका। उसे खेल खेलने के लिए जो कुछ भी चाहिए था, हमने उसे वह सब कुछ प्रदान किया। आईपीएल 2021 में मलिक के प्रदर्शन के बाद राशिद को ढेरों बधाइयां मिली है। जम्मू के साथ पूरे भारत के लोग बहुत खुश हैं। मलिक के पिता ने कहा, बच्चे के लिए दुआएं करना, हमारी यही दुआ है कि बच्चा अच्छा खेले और देश का नाम रोशन करे।

मेहसाणा-विरमगाम-सामख्याली के बीच रेल विद्युतीकरण का कार्य प्रगति

अहमदाबाद। मेहसाणा-विरमगाम-सामख्याली अनुभाग (Gr. 213) तक के रेल विद्युतीकरण (RE) काम चल रहा है, एक यूनिट द्वारा नियमित ट्रेन कार्यवाही को बिना प्रभाव के पूर्ण गति के साथ प्रगति यह खंड कच्छ यात्री और रेलवे को जोड़ने वाली आंतरिक माल ढुलाई के लिए मुख्य सुविधा है। कंडला पोर्ट, मुंद्रा पोर्ट, टूना पोर्ट एवं अन्य बहुत सारे कार्गो लोडिंग साइट्स हेतु, उसके पास रूट है। 180 KM के किलोमीटर (RKM) एवं 446 KM ट्रेक KM, रेल लेवल से ।.5। m की सम्पर्क ऊंचाई की हाईराइझ OHE 6809 mm डबल स्टेक के लिए अनुकूल है। 25KV के साथ कंटेनर ट्रेक्शन, खड़े किये गए पैंटोग्राफ की 50 Hz AC पावर 66.81 RKM की 180 RKM CRS में से पहले से ही पूर्ण हो चूका है, हाल में RE/ADI कार्यरत होने जा रहा है 36 RKM एवं शेष खण्डों पर लक्ष्यांकित DOC मार्च 2022 सहित उसके बुनियादी कार्य पूर्ण किये है। RE/ADI द्वारा संचालित RE कार्य में फीड पॉइंट (TSS), स्विचिंग पॉइंट्स SSP, SP, OHE का ध्यान रखा जाता है। डिपो, TW शेड, RCC SCAD, अच्छी गुणवत्ता वाले क्वार्टर्स और इंजीनियर के लिए एप्रोच पाथ, कमीशनिंग के बाद रखरखाव के लिए सर्वश्रेष्ठ तकनीशियन। प्रत्येक ड्राइंग, डिजाइन RDSO, ACTM, ACS, SOD के अनुसार है एवं इसमें प्रयुक्त सामग्री नमूनों की एक श्रृंखला, RIETS निर्देशों के रूप में परीक्षण, टेंडर पेपर, NABL से स्वीकृत लैब और रेलवे बोर्ड के पत्र। विद्युतीकरण कार्य भारतीय रेलवे को कई चीजों

से समृद्ध करता है जैसे की लागत में कमी, ईंधन, ग्रीन ऊर्जा, रिन्यूएबल ऊर्जा जैसे हाइड्रो, सोलार, विन्द आदि पर स्विच करने का अवसर। रेल विद्युतीकरण की खूबी यह है कि यह दो से तीन के भीतर अपनी अनावर्ती लागत का पता लगा सकता है। वित्तीय वर्ष यदि इसका उपयोग ईंधन की खपत को कम करके पूरी क्षमता से किया गया।

देशी स्वाद में विदेशी व्यंजनों की दावत का आनंद लेने के लिए बेहतरीन स्थल यानि कूर्तोश

सूरत यूरोप में हंगरी का मशहूर स्ट्रीट फूड और वह भी देशी स्वाद में खाना हैं, तो यह अब सूरत और अहमदाबाद में उपलब्ध है। कूर्तोश इसके लिए सबसे अच्छी जगह है। जहां परिवार के साथ हंगेरियन स्ट्रीट फूड की दावत का मजा लिया जा सकता है।

कूर्तोश की संचालक करिश्मा उनडकट ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को विदेशी फरूड का चस्का लगा है, लेकिन वह देशी टच के साथ विदेशी फरूड को ज्यादा प्रिफर करते है। इसलिए कूर्तोश ने देसी टच के साथ हंगेरियन स्ट्रीट फूड को भारत में उपलब्ध कराया है। आज कूर्तोश के भारत में 20 आउटलेट हैं, जिनमें मुंबई, कलकत्ता, पांडिचेरी, चेन्नई, काकीनाडा, राजकोट, सूरत, वापी, वलसाड और अहमदाबाद शामिल हैं। जहां कोई भी परिवार के साथ हंगेरियन स्ट्रीट फूड का मजा ले सकता है। कूर्तोश की विशेषता यह है कि जैसा देश वैसा वेश इस शब्द को सार्थक करते हुए इस विदेशी फरूड को इंडो-हंगेरियन फरूड मेनू तैयार किया है, जिसमें इटालियन कूर्तोश, चिमनी केक सेवरी और डेजर्ट सहित कई विदेशी व्यंजन इंडियन फरूड में कन्वर्ट हुए शामिल है। उन्होंने आगे कहा कि कूर्तोश आज भारत में पसंदीदा ब्रांड बन गया है और अब अंतरराष्ट्रीय ब्रांड बनने की ओर बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने पालनपुर में "निरामय गुजरात" योजना की शुरुआत की

अहमदाबाद। शुक्रवार को मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने राज्यव्यापी 'निरामय गुजरात' योजना का प्रारंभ कराया। भूपेन्द्र पटेल ने पालनपुर की जीडी मोदी कॉलेज से इस योजना की शुरुआत कराई। स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने अहमदाबाद के सिंगरवा में इस योजना की शुरुआत की। राजस्व एवं कानून मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने वडोदरा में निरामय गुजरात योजना का प्रारंभ कराया। मौजूदा अनियमित खान-पान और जीवन शैली की वजह से गैर संक्रमित रोग हाई ब्लड प्रेशर, डायाबिटिश जैसे रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। जिसे देखते हुए राज्य सरकार ने निरामय गुजरात योजना की शुरुआत की है। इस योजना के अंतर्गत 30 से अधिक आयु के नागरिकों का टेस्ट और उपचार किया जाएगा। राज्य के प्राथमिक एवं सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्रों समेत सामूहिक अस्पतालों में प्रति शुक्रवार को नागरिकों का मुफ्त टेस्ट और उपचार किया जाएगा। जरूरत हुई तो अतिरिक्त उपचार के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर को रिफर किया जाएगा। इस योजना का राज्य के 3 करोड़ से अधिक नागरिकों को लाभ होगा। 'निरामय गुजरात योजना' राज्य के 33 जिले और 8 महानगर पालिकाओं में एक साथ राज्य सरकार के मंत्री, विधायक, सांसद समेत महानुभावों ने शुक्रवार को प्रारंभ कराया। प्रति शुक्रवार को 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की स्क्रीनिंग और उनके स्वास्थ्य से संबंधित ब्यौरे का एक निरामय कार्ड भी जारी किया जाएगा।

ड्रग्स लेबोरेटरी का पर्दाफाश कर पुलिस ने किया आरोप गिरफ्तार

सूरत। सूरत पुलिस ने शहर में एक ड्रग्स लेबोरेटरी का पर्दाफाश कर एक शख्स को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया शख्स पहले ड्रग्स का आदी हुआ और बाद में यू ट्यूब से ड्रग्स बनाने की जानकारी हासिल कर खुद ही सौदागर बन गया है। गिरफ्तार शख्स नार्कोटिक्स केस में वांटेड है। सूरत में कुछ समय पहले रु. 5.85 लाख का एमडी ड्रग्स पकड़ा गया था। 5.85 लाख रुपए कीमत के ड्रग्स के साथ राजस्थानी पेडलर पकड़े जाने के बाद वह जिसे ड्रग्स सप्लाई करने आया था, उस शख्स को अब पुलिस ने गिरफ्तार कर ड्रग्स बनाने की साधन सामग्री इत्यादि जब्त किया है। गिरफ्तार शख्स जैमिन सवाणी ऑनलाइन ड्रेस मटिरियल का व्यवसाय करता था, लेकिन लॉकडाउन में कारोबार बंद होने पर वह ड्रग्स का आदी हो गया। कारोबार बंद होने से आय भी बंद हो गई थी, जिससे जैमिन ने ड्रग्स बेचने का फैसला किया और इसमें उसके दोस्तों ने मदद की। दोस्तों ने जैमिन का संपर्क राजस्थान के ड्रग्स सप्लायर आशुराम से कराया। आशुराम से संपर्क होने के बाद जैमिन सवाणी पहले राजस्थान से ड्रग्स लाकर बेचता था। लेकिन बाद ज्यादा कमाने की लालच में उसने यू ट्यूब से ड्रग्स बनाने की जानकारी हासिल की और उसके बाद लेबोरेटरी बनाकर ड्रग्स बनाने लगा। इसकी भनक पुलिस को लगते ही पुलिस ने जैमिन को गिरफ्तार कर लिया। जैमिन की लेबोरेटरी से पुलिस ने ड्रग्स बनाने का 22.500 किलो ग्राम कच्चा माल और दो कैमिकल समेत अन्य साधन सामग्री जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

राज्य में कोरोना के नए मामलों में आधे से ज्यादा घूमने फिर गए लोगों के - स्वास्थ्य मंत्री

अहमदाबाद। दिवाली के त्यौहारों के बाद राज्य में कोरोना के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। त्यौहारों के दौरान बाजारों में उमड़ी भीड़ और पर्यटन स्थलों पर लोगों का जमावडा भी कोरोना मामले बढ़ने का एक कारण है। दिवाली के बाद अचानक कोरोना संक्रमण बढ़ने से लोगों में तीसरी लहर को लेकर दहशत है। इस बीच राज्य के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि बीते दर्ज हुए 40 कोरोना पॉजिटिव केसों में 50 से 60 प्रतिशत ऐसे लोग हैं, जो दिवाली के त्यौहारों में खरीदी करने, घूमने-फिरने गए थे। राज्य में आज 'निरामय गुजरात अभियान' का प्रारंभ कराते हुए स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि राज्य में जिस प्रकार कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है वह चिंताजनक है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने घूमने-फिरने गए लोगों का सर्वेलन्स करने का आदेश दिया है। साथ ही रेलवे स्टेशन, बस स्टैन्ड पर पुनः टेस्टिंग प्रक्रिया शुरू करने का भी आदेश दिया गया है। राज्य की सभी महानगर पालिकाओं को सर्वेलन्स की कार्यवाही तेज करने को कहा गया है। साथ ही सभी महानगर पालिका के प्रवेश द्वार पर डोम लगाकर राज्य में आनेवालों की टेस्टिंग करने का निर्देश दिया गया है। गौरतलब है दिवाली के त्यौहारों के बाद जिस प्रकार कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, उसे देखते लगता है कि राज्य में फिर एक बार कोरोना ने सिर उठा लिया है। करीब चार महीने के बाद राज्य में कोरोना के नियमित केसों की संख्या 40 का आंकड़ा और सक्रिय मरीजों की संख्या 200 को पार कर गई है।

वडोदरा का परिवार राजस्थान में दुर्घटना का शिकार, दंपत्ति और पुत्र समेत 3 की मौत

अहमदाबाद। वडोदरा के छाणी क्षेत्र निवासी एक परिवार के 6 लोग कार में राजस्थान के जेसलमेर घूमने जा रहे थे। रास्ते में फतेहगढ़ के निकट पत्थरों से लदे ट्रक से कार टकरा गई। इस हादसे में दंपत्ति और पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि दो गंभीर रूप से जख्मी हो गए। एक बच्चे को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के छाणी क्षेत्र में रहनेवाले 55 वर्षीय जयद्रथभाई अपनी पत्नी आमित्रीदेवी, दो पुत्र 35 वर्षीय सत्येन्द्र और 30 वर्षीय नितिन, पुत्र वधु 29 वर्षीय शिवम कुमारी और 6 वर्षीय पौत्र विवान के साथ अर्टिगो कार में राजस्थान के जेसलमेर घूमने जा रहे थे। रास्ते में जेसलमेर के फतेगढ़ के निकट कार आगे चल रही पत्थरों से लदे ट्रक से जा टकराई। इस हादसे में जयद्रथभाई और उनकी पत्नी आमित्री देवी तथा पुत्र नितिन की मौत हो गई। जबकि सत्येन्द्र और पुत्र वधु शिवम कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गए। 6 साल के विवान को मामूली चोटें आई हैं। घायलों को जेसलमेर के जवाहर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में सत्येन्द्र और शिवम कुमारी की हालत नाजुक बताई गई है। घटना के बाद मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने जेसीबी की मदद से कार में फंसे शवों को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया और मामला दर्ज कर हादसे के बाद फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू की है।

दीपावली पर कालूपुर रेलवे स्टेशन पर अपने गृहनगर और बाहर से लौटने वालों की कोरोना टेस्टिंग की गई।

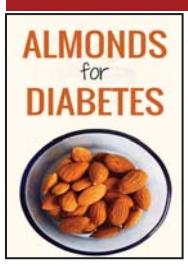

वर्ल्ड्‌ डायबिटीज डे 2021- डायबिटीज को बेहतर मैनेज करने के लिये मुट्ठी भर बादाम

मुंबई - भारत में ग्रे सीमेंट, सफेद सीमेंट और रेडी मिक्स कंक्रीट की सबसे बड़ी निर्माता कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड ने जीसीसीए 2050 के तहत नेट जीरो कंक्रीट के लिए जारी सीमेंट एंड कंक्रीट इंडस्ट्री रोडमैप के लिए अपनी सहमति देते हुए अपनी प्रतिबद्धता का ऐलान किया है। 2050 तक कार्बन न्यूट्रल कंक्रीट बनाने की यह पहल, विश्व की सबसे बड़ी कंक्रीट और सीमेंट बनाने वाली कंपनियों ने साथ मिलकर, भविष्य में सस्टेनेबल भवन निर्माण करने के लिए की है। इस रोडमैप के तहत CO_2 के उत्सर्जन को 2030 तक 25% तक कम करने का प्रयास भी किया जा रहा है।

अल्ट्राटेक ने ग्लोबल सीमेंट एंड कंक्रीट एसोसिएशन के संस्थापक सदस्य होने के नाते यह निर्णय लिया है। अल्ट्राटेक विश्व के 40 बड़े सीमेंट और कंक्रीट निर्माता कंपनियों में से एक है जिन्होंने 2050 तक नेट जीरो कंक्रीट तक पहुँचने का प्रण लिया है और साथ ही 2030 तक 5 बिलियन टन ष्टह्र2 के उत्सर्जन को रोकने के महत्वकांशी लक्ष्य के लिए भी अपनी सहमति दी है। जीसीसीए ने एक विस्तृत 'कंक्रीट फ्यूचर' रोडमैप जारी किया है, जिसमें सीमेंट और कंक्रीट इंडस्ट्री को 2050 तक कार्बन मुक्त करने का एक पूरा मार्ग तय किया गया है, जो की पेरिस समझौते में तय ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने के लक्ष्य के अनुकूल है। "अल्ट्राटेक में हम अपने भागीदारों और हितधारकों के साथ मिलकर नेट ज़ीरो के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। जीसीसीए के 'कंक्रीट फ्यूचर' रोडमैप में इस सामूहिक प्रयास की रूपरेखा तैयार की गयी है और यही रोडमैप भवन निर्माण सामग्री क्षेत्र को नेट जीरो बनने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेगा। यह रोडमैप हमारी इंडस्ट्री को कार्बन मुक्त करने में कारगर साबित होगा, हमारे नेट जीरो के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगा और साथ ही हमारे कल को सस्टेनेबल बनाने में मदद भी करेगा।" श्री कैलाश झंवर, अल्ट्राटेक सीमेंट के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा।"

'कंक्रीट फ्यूचरज्ज रोडमैप सात सूत्रीय योजना है जिसमें कुछ महत्वकांशी लेकिन प्राप्त करने योग्य कदम शामिल हैं जिससे सीमेंट में CO_2 इंटेंसिव क्लिंकर को कम किया जा सके, निर्माण में फॉसिल फ्यूल का उपयोग कम किया जा सके, और उत्पादों क्रियाओं को और दक्ष बनाने के कदम शामिल किये जा सके जैसे की कार्बन कैप्चर की टेक्नोलॉजी। जीसीसीए द्वारा लिया गया यह कदम विश्व में किसी भी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा नेट जीरो हासिल करने के लिए ली गयी सबसे बड़ी पहल है - जिसमें अमेरिका, अफ्रीका, एशिया (भारत और चीन) और यूरोप के देश शामिल हैं। जीसीसीए के सदस्य चीन के बाहर वैश्विक सीमेंट उद्योग का 80 प्रतिशत हिस्सा हैं, और इसमें कई बड़े चीनी निर्माता भी शामिल हैं।

2021 की तीसरी तिमाही में लैंक्सेस का मजबूत प्रदर्शन

LANXESS
Energizing Chemistry

मुंबई - स्पेशियलिटी केमिकल्स कंपनी लैंक्सेस ने बेहद चुनौतीपूर्ण वातावरण में भी अपनी पकड़ को मजबूत बनाए रखा है। कच्चे माल, ऊर्जा और माल ढुलाई लागत में तेज वृद्धि के बावजूद, 2021 की तीसरी तिमाही में एबिटा (पूर्व असाधारण स्थिति) 44 प्रतिशत बढ़कर 27.8 मिलियन यूरो हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 193 मिलियन यूरो था। कंपनी की शानदार आय को सभी सेगमेंट की मजबूती, विशेषकर स्पेशियलिटी एडिटिव्स और इंजीनियरिंग मैटेरियल्स की मजबूती से बल मिला। लागत में हुई वृद्धि की भरपाई के लिए लैंक्सेस ने उच्च बिक्री मूल्य का सहारा लिया। इस वित्तीय वर्ष में पूर्ण किए गए तीन अधिग्रहण, विशेष रूप से एमरैल्ड कलामा केमिकल के अधिग्रहण ने भी अच्छे नतीजों में योगदान दिया। प्रतिकूल विनिमय दर, मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर से, और विशेष रूप से उच्च ऊर्जा और माल ढुलाई लागत ने आय में होने वाले और इजाफे को बाधित किया। एबिटा (पूर्व असाधारण स्थिति) मार्जिन तीसरी तिमाही में बढ़कर 14.2 प्रतिशत हो गया, जो पूर्व-वर्ष की तिमाही में 13.2 प्रतिशत था।

लैंक्सेस एजी के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन मैथियास जैशर्ट ने कहा, च्इस वर्ष की तीसरी तिमाही में भी वृद्धि देखने को मिली। हमारा परिचालन व्यवसाय सकारात्मक रूप से विकसित होता रहा, और हम कच्चे माल की काफी बढ़ी हुई लागत का सफलतापूर्वक सामना करने में कामयाब रहे। आईएफएफ माइक्रोबियल कंट्रोल के घोषित अधिग्रहण के साथ, हम भविष्य में अपने उपभोक्ता संरक्षण खंड का फिर से विस्तार करेंगे। यह हमें और अधिक स्थिर और अधिक लाभदायक बनाने में मदद देगा।ज्ज उन्होंने कहा, च्हालांकि, ऊर्जा, कच्चे माल और माल ढुलाई लागत में हुई अभूतपूर्व वृद्धि की वजह से हम प्रभावित हुए हैं। हमें उम्मीद है कि चौथी तिमाही में लागत का दबाव और भी बढ़ेगा।"

लागत वृद्धि, चीन में तनावपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला और बिजली राशनिंग, जिसका वहां उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है,की वजह से लैंक्सेस को पूरे वर्ष के लिए अनुमानित निचले स्तर पर एबिटा (पूर्व असाधारण स्थिति) के 1 बिलियन यूरो से 1.05 बिलियन यूरो के बीच रहने की उम्मीद है।

सालाना आधार पर 33.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, 2021 की तीसरी तिमाही में लैंक्सेस की बिक्री 1.951 बिलियन यूरो रही। 68 मिलियन यूरो के साथ परिचालन से होने वाली शुद्ध आय 2020 की तीसरी तिमाही में अधिक रही, जब कंपनी की आय 25 मिलियन यूरो रही थी। यह परिचालन व्यवसायों के बेहतर विकास और एमरैल्डर कलामा केमिकल से मिले योगदान के कारण हुआ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)